आरएनआई - एमपीएचआईएन/2021/81650

इंदौर, सोमवार 16 मार्च 2026

■ वर्ष : 5 ■ अंक : 118

■ पृष्ठ : 6 ■ मूल्य : 2

सांध्य दैनिक

इंदौर संकेत

dainikindoresanket.com
dainikindoresanket
dainikindoresanket
dainikindoresanket24@gmail.com

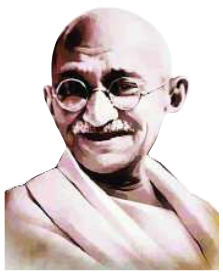

राष्ट्रपिता को नमन...

अंदर के पन्नों पर...

गेहूं के खेतों में लगी आग

पेज-2

'गोलमाल 5' में शरमन जोशी की वापसी

पेज-5

अब अंडरग्राउंड मेट्रो विवादों में

पेज-6

न्यूज ब्रीफ

- केरल विधानसभा चुनाव : सीपीआई ने 25 सीटों पर उम्मीदवारों की घोषणा की
- सेंसेक्स 179 अंक गिरकर 74,384.61 पर ; निफ्टी 23,098 पर खुला
- ओडिशा के सीएम ने अस्पताल में आग लगने की घटना की न्यायिक जांच के आदेश दिए, 10 मरीजों की मौत
- ऑस्कर 2026 : माइकल जॉर्डन ने 'सिनर्स' के लिए सर्वश्रेष्ठ अभिनेता का पुरस्कार जीता
- ड्रोन हमले के बाद दुबई हवाई अड्डे के पास भीषण आग लगी, उड़ान सेवाएं निलंबित
- ईरान में डील किसके साथ करूं, उनकी लीडरशिप खत्म हो चुकी : डोनाल्ड ट्रंप
- ईरान हमलों पर कतर और सऊदी एकजुट, तनाव रोकने और बातचीत की अपील

कांग्रेस के जिला संगठन महामंत्रियों की लगेगी क्लास

जिलों को सक्रिय करने के लिए संगठन मिशन तेज

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

भोपाल ● मध्यप्रदेश कांग्रेस अब अपने संगठन को जिलों में ज्यादा सक्रिय और प्रभावी बनाने की रणनीति पर काम कर रही है। इसी कड़ी में सोमवार को भोपाल में प्रदेश के 71 जिला संगठन महामंत्रियों का एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है।

इस बैठक में संगठन महामंत्रियों को उनके अधिकार, जिम्मेदारियां और संगठन में उनकी भूमिका को विस्तार से समझाया जाएगा। सूत्रों के अनुसार पार्टी अब जिलों में संगठन महामंत्रियों को अधिक अधिकार देकर संगठनात्मक फैसलों में उनकी भूमिका मजबूत करना चाहती है।

जिलों में संगठन को मजबूत करने की रणनीति–कांग्रेस नेतृत्व का मानना है कि मजबूत संगठन के बिना चुनावी रणनीति जमीन पर प्रभावी नहीं हो पाती। इसी कारण अब जिलों में संगठन महामंत्रियों को सक्रिय भूमिका देने की योजना बनाई जा रही है। प्रशिक्षण के दौरान उन्हें संगठन के कामकाज की पूरी रूपरेखा समझाई जाएगी, ताकि जिलों में पार्टी की गतिविधियों को व्यवस्थित तरीके से आगे बढ़ाया जा सके।

प्रशिक्षण में मिलेगा अधिकारों का पूरा खाका–बैठक के दौरान जिला संगठन महामंत्री को एक विशेष फोल्डर भी दिया जाएगा। इसमें उनके अधिकार क्षेत्र, जिम्मेदारियां और कामकाज से जुड़ी विस्तृत जानकारी होगी। इस दस्तावेज के जरिए यह स्पष्ट किया जाएगा कि संगठन के विभिन्न स्तरों पर उनकी भूमिका क्या होगी और उन्हें किस तरह काम करना है। सूत्रों के अनुसार पार्टी संगठन अब जिला स्तर पर संगठन महामंत्रियों को ज्यादा अधिकार देने पर विचार कर रही है। संभावना है कि उन्हें जिला, ब्लॉक, उप-ब्लॉक, मंडल और सेक्टर स्तर पर संगठनात्मक नियुक्तियों से जुड़े आदेश जारी करने की जिम्मेदारी भी दी जा सकती है। यह मॉडल कुछ हद तक उसी तरह का हो सकता है जैसा एआईसीसी में संगठन महामंत्री की भूमिका होती है।

जिला अध्यक्ष के साथ तालमेल पर जोर

प्रशिक्षण कार्यक्रम में जिला अध्यक्ष और संगठन महामंत्री के बीच समन्वय को भी अहम विषय बनाया गया है। पार्टी नेतृत्व यह स्पष्ट करेगा कि संगठनात्मक कार्यों में दोनों पदों के बीच बेहतर तालमेल कैसे बनाया जाए, ताकि किसी प्रकार का टकराव या भ्रम की स्थिति न बने।

क्यों अहम माना जा रहा यह प्रशिक्षण

राजनीतिक विश्लेषकों के अनुसार कांग्रेस संगठन को मजबूत करने के लिए अब जमीनी स्तर पर संरचना को सक्रिय करने की कोशिश कर रही है। जिला संगठन महामंत्रियों को स्पष्ट जिम्मेदारी और अधिकार मिलने से पार्टी की गतिविधियां जिलों और ब्लॉकों तक अधिक व्यवस्थित तरीके से संचालित हो सकती हैं।

मीडिया और सोशल मीडिया की भी ट्रेनिंग

बैठक में पार्टी के मीडिया और सोशल मीडिया विभाग भी प्रस्तुति देंगे। इसमें बताया जाएगा कि संगठन की गतिविधियों और कार्यक्रमों को जनता तक प्रभावी तरीके से कैसे पहुंचाया जाए। साथ ही यह भी समझाया जाएगा कि नियुक्तियों, कार्यक्रमों और अभियानों की जानकारी मीडिया और सोशल मीडिया के जरिए किस तरह प्रचारित की जाए।

होटल-रेस्टोरेंट को मिली 'ऑक्सीजन' शुरू हुई कमर्शियल सिलेंडर की सप्लाई

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

भोपाल ● मध्यप्रदेश में एलपीजी संकट से थोड़ी राहत मिलनी शुरू हुई है। रविवार को भोपाल, इंदौर, ग्वालियर-उज्जैन समेत कई शहरों में सिलेंडर को लेकर खींचतान नहीं रही। स्टॉक खत्म होने की वजह से भोपाल में कुछ गैस एजेंसी बंद रहीं। इस वजह से कांग्रेस और उपभोक्ताओं ने हंगामा किया। दूसरी ओर, ऑयल कंपनियों ने रविवार से ही सिलेंडर की सप्लाई शुरू कर दी। कमर्शियल सिलेंडर की 6 दिन से सप्लाई नहीं हुई, लेकिन भौंरी स्थित डिपो से कमर्शियल सिलेंडर से गाड़ियां लोड होने लगी। सोमवार से इसकी सप्लाई शुरू कर देंगे। रविवार को आधा दर्जन गैस एजेंसियों के बंद होने की जानकारी मिली थी। टीमें मौके पर भेजी थी। ये स्टॉक नहीं होने की वजह से बंद थी। डिपो से रविवार को सिलेंडर लोड नहीं होते हैं।

वैकल्पिक व्यवस्था के रूप में इंडक्शन, डीजल भट्ठी के इंतजाम जरूर किए हैं, लेकिन यह बहुत ही खर्चिला है। इसलिए मेन्यू में बदलाव करने की गाइडलाइन जारी की। सिलेंडर की कमी और ग्राहकों की संख्या कम होने के बावजूद प्रदेश के किसी भी होटल या रेस्टोरेंट से कर्मचारियों को नहीं निकाला गया। सिलेंडर नहीं मिलने की वजह से 6 नंबर, शाहपुरा, न्यू मार्केट की 30 से ज्यादा रेहड़ी बंद हो गई। इन्हें भी सिलेंडर मिलने लगेंगे तो राहत मिलेगी। एक तरफ कमर्शियल सिलेंडर को लेकर राहत वाली खबर सामने आई है तो घरेलू सिलेंडर को लेकर अभी भी मारामारी मची हुई है। घरेलू गैस के लिए आम आदमी को धूप में घंटों पसीना बहाना पड़ रहा है।

रविवार को प्रदेश के अलग-अलग शहरों से किल्लत और राहत की मिली-जुली तस्वीरें सामने आई।

एक दिन में 11 हजार सिलेंडर सप्लाई किए

■ इंदौर में शनिवार और भोपाल को मिलाकर लगभग 40 हजार के आसपास घरेलू सिलेंडर की सप्लाई हुई। रविवार को जिन एजेंसियों में सिलेंडर थे, वहां पर सप्लाई हुई। घरों में भी डिलीवरी की गई।

होटल एसोसिएशन बोला- ये ऑक्सीजन जैसा

■ एमपी होटल एसोसिएशन के अध्यक्ष सुमित सूरी ने बताया, लगातार 6-7 दिन से प्रदेश के किसी भी होटल या रेस्टोरेंट को एक भी कमर्शियल सिलेंडर की सप्लाई नहीं हुई। अब सरकार ने हमें भी सिलेंडर देने की बात कही है। यह प्रदेश की होटल इंडस्ट्री के लिए 'ऑक्सीजन' मिलने जैसा है। सिलेंडर नहीं मिलने की वजह से 50 हजार से ज्यादा होटल और रेस्टोरेंट बंद होने की कगार पर थे। यहां गैस का स्टॉक खत्म हो गया है।

भोपाल में आज से होगी सप्लाई

सोमवार से भोपाल में कमर्शियल सिलेंडर की सप्लाई शुरू होगी। भोपाल होटल एसोसिएशन के अध्यक्ष तेजकुल पाल सिंह पाली ने बताया, गैस की किल्लत की वजह से अधिकांश होटल-रेस्टोरेंट संचालकों ने इंडक्शन, इलेक्ट्रिक ग्रिडल या फ्रायर, इलेक्ट्रिक कुकर और स्टीमर आदि का उपयोग करना शुरू किया। सिलेंडर मिलेंगे तो यह बड़ी राहत वाली बात है।

ग्वालियर और उज्जैन में प्रशासन ने संभाली कमान

जहां एक तरफ मारामारी है, वहीं कुछ जिलों में प्रशासन ने मुस्तैदी दिखाई है। ग्वालियर कलेक्टर रुचिका चौहान ने दावा किया है कि जिले में स्टॉक की कोई कमी नहीं है। अफवाहों को रोकने के लिए प्रशासन ने कंट्रोल रूम भी बनाया है। उज्जैन में रविवार की छुट्टी होने के बावजूद महाकाल गैस एजेंसी को खोलकर सप्लाई जारी रखी गई। संचालक भगवान दास एरन के मुताबिक, घरेलू गैस की निरंतर सप्लाई की जा रही है। वहीं पुरानी इटारसी में युवा कांग्रेस ने केंद्र सरकार के खिलाफ तंज भरा प्रदर्शन किया।

जनसंख्या से ज्यादा वाहनों की संख्या से नहीं मिली रही ट्रैफिक जाम से निजात

नहीं हो रही परेशानी दूर, ट्रैफिक सुधार में लग रहे अड़ंगे

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● जनसंख्या से ज्यादा वाहनों की संख्या की पीड़ा झेल रहे स्मार्ट सिटी का ट्रैफिक सुधारने के लिए चार पेट्रोलिंग टीमों को तैनात किया गया था। इसके बाद भी सुबह शाम ट्रैफिक जाम के कारण आम लोग परेशान हो रहे हैं।

कहीं ब्रिज निर्माण के प्रोजेक्ट चल रहे हैं तो कहीं मेट्रो प्रोजेक्ट के कारण सड़कें संकरी हो रही हैं। पहले ही बढते वाहनों के कारण ट्रैफिक का कबाड़ा हो रहा था और अब कई प्रमुख सड़कों के संकरी होने और वैकल्पिक मार्ग के गड्ढों के कारण वाहन चालकों को अपने गंतव्य तक पहुंचने के लिए घंटों तक परेशानी झेलना पड़ रही है। ट्रैफिक सुधारने के लिए बनाई गई चार पेट्रोलिंग टीमों से भी ट्रैफिक में विशेष सुधार नहीं हुआ तो अब ट्रैफिक पुलिस ने 8 पेट्रोलिंग टीमें और बना दी है, अब ये 12 पेट्रोलिंग टीमें कितना ट्रैफिक सुधारती हैं ये तो समय ही बताएगा। शहर के ट्रैफिक को सुधारने के लिए अब 12 विशेष पेट्रोलिंग टीमें सतत भ्रमण करेंगी। चारों जोन के लिए चार विशेष पेट्रोलिंग टीमों सहित 8 बैकअप व्हील लॉक टीमें भी सक्रिय होंगी।

अधिकारी-कर्मचारियों के कार्यों की समीक्षा बैठक ली

पुलिस उपायुक्त राजेश कुमार त्रिपाठी द्वारा यातायात प्रबंधन पुलिस के एडिशनल डीसीपी, एसीपी, थाना प्रभारी की उपस्थिति में पेट्रोलिंग पार्टी एवं व्हील लॉक पार्टी के अधिकारी कर्मचारियों के कार्यों की समीक्षा बैठक ली गई इस दौरान आठ अन्य पेट्रोलिंग टीम बनाई गई। यातायात के चारो जोन में 2-2 व्हील लॉक-पैट्रोलिंग टीम जिसमे 4-4 अधिकारी-कर्मचारी रहेंगे, ये 12 टीमें अपने अपने निर्धारित क्षेत्रों में भ्रमण कर यातायात दबाव एवं अव्यवस्थित पार्किंग की स्थिति का निरीक्षण कर नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहन चालकों के विरुद्ध कार्यवाही करेगी। पेट्रोलिंग टीमों द्वारा मुख्य मार्गों, बाजारों एवं भीड़भाड़ वाले क्षेत्रों में सतत भ्रमण करते हुए पीए सिस्टम, बॉडी वॉर्न कैमरा, क्रेन सपोर्ट वाहन, व्हील लॉक एवं पीओएस मशीन की सहायता से अवैध पार्किंग, फुटपाथ पर वाहन खड़े करने तथा सड़क पर वाहन खड़े कर यातायात बाधित करने वाले वाहन चालकों के विरुद्ध कार्यवाही की जाएगी।

खामेनेई को श्रद्धांजलि देने के लिए ईद का जश्न नहीं मनाएगा शिया समुदाय

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● मध्यप्रदेश का शिया समुदाय इजराइल-अमेरिका के हमले में मारे गए ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई को श्रद्धांजलि देने के लिए ईद-उल-फितर नहीं मनाएगा। शिया समुदाय के एक नेता ने रविवार को यह जानकारी दी।

अखिल भारतीय शिया समाज के प्रदेश अध्यक्ष इफ्तिखार अली ने कहा, 'इस साल हम ईद का जश्न नहीं मनाएंगे, हमारे लिए यह मौन रहेगा।'अमेरिका और इजराइल द्वारा किए गए एक बड़े हमले में 86 वर्षीय खामेनेई की मौत की घोषणा एक मार्च को ईरान के सरकारी टेलीविजन ने की थी। इफ्तिखार अली ने कहा, 'मध्यप्रदेश में करीब 4,000 शिया परिवार रह रहे हैं। हम इस साल नए कपड़े नहीं पहनेंगे ना ही ईद मनाएंगे क्योंकि हम खामेनेई के निधन से दुखी हैं। हम केवल नमाज अदा करेंगे।' उन्होंने कहा कि समुदाय कोई विरोध प्रदर्शन नहीं करेगा, लेकिन अगले शुक्रवार या शनिवार को चांद देखने के बाद ईद मनाएंगे। शिया आबादी मुख्य रूप से भोपाल, जबलपुर, इंदौर, विदिशा, उज्जैन, बुरहानपुर, नर्मदापुरम जिले के इटारसी और रतलाम जिले के जावरा में केंद्रित है। ईद-उल-फितर रमजान की समाप्ति का प्रतीक है और यह सबसे महत्वपूर्ण इस्लामी उत्सवों में से एक है।

बंगाल से असम तक : ओपिनियन पोल के चौंकाने वाले आंकड़े आए सामने

नई दिल्ली (एजेंसी) ● पांच राज्यों में होने वाले चुनाव के लिए तारीखों का ऐलान हो गया है। पश्चिम बंगाल में दो फेज में इलेक्शन होगा। वहीं, असम, केरल, पुडुचेरी, तमिलनाडु में एक चरण में वोट डाले जाएंगे। इलेक्शन में किस पार्टी को जीत मिलेगी, इसका पता तो 4 मई को आने वाले नतीजे ही बताएंगे, लेकिन इससे पहले MATRIZE-IANS ने चुनावी मूड जानने के लिए ओपिनियन पोल किया है। जानिए पश्चिम बंगाल से लेकर असम और तमिलनाडु तक किस पार्टी का पलड़ा भारी दिख रहा है।

असम चुनाव ओपिनियन पोल : ओपिनियन पोल के अनुसार आगामी असम विधानसभा चुनाव में फिर से प्रचंड बहुमत के साथ बीजेपी सत्ता में वापसी कर सकती है। बीजेपी को 96-98 सीटें, कांग्रेस को 26-28 सीटें और AIUDF को 1-5 सीटें मिलने का अनुमान है, इसके अलावा अन्य के खाते में 1-3 सीटें जाने का अनुमान जताया गया है। पोल के मुताबिक बीजेपी के मुकाबले कांग्रेस और AIUDF का प्रदर्शन कमजोर नजर आ सकता है।

तमिलनाडु चुनाव; ओपिनियन पोल : तमिलनाडु विधानसभा चुनाव में भी एनडीए गठबंधन को बढ़त मिलने का अनुमान ओपिनियन पोल में जताया गया है। ओपिनियन पोल के मुताबिक, तमिलनाडु में होने वाले आगामी विधानसभा चुनाव में AIADMK और बीजेपी गठबंधन को बहुमत मिल सकता है। पोल में एनडीए को 114 से 127 सीटें, और डीएमके को 104 से 114 सीटें और टीवीके को 6 से 12 सीटें मिल सकती हैं। तमिलनाडु में अभी द्रविड़ मुनेत्र कड़गम (डीएमके) की सरकार है। एमके स्टालिन राज्य के मुख्यमंत्री हैं। तमिलनाडु की राजनीति मुख्य रूप से AIADMK और DMK के बीच घूमती रही है। 2021 के चुनाव में डीएमके गठबंधन को 159 सीटें मिली थीं।

पश्चिम बंगाल चुनाव : ओपिनियन पोल

पश्चिम बंगाल में कुल 294 विधानसभा सीटें हैं। बहुमत हासिल करने के 148 सीटों की जरूरत होगी। ओपिनियन पोल के मुताबिक, ममता बनर्जी की पार्टी तृणमूल कांग्रेस फिर से सत्ता में वापसी कर सकती है। ऐसा होता है तो टीएमसी लगातार चौथी बार बहुमत के साथ सत्ता पर काबिज होने में कामयाब रहेगी। ओपिनियन पोल के मुताबिक तृणमूल कांग्रेस को 155 से 170 सीटें मिल सकती हैं। जबकि बीजेपी के खाते में 100 से 115 सीटें जाने का अनुमान है। वहीं ओपिनियन पोल में AIMIM को 5-6 और अन्य को 0-1 सीट मिलने का अनुमान है।

केरल चुनाव : ओपिनियन पोल

ओपिनियन पोल के मुताबिक केरल में होने वाले विधानसभा चुनाव में कड़ी टक्कर देखने को मिल सकती है। केरल में कुल 140 विधानसभा की सीटें हैं। ओपिनियन पोल में एलडीएफ को 61-71 सीटें, यूडीएफ को 58-69 सीटें और बीजेपी को दो सीटें का अनुमान लगाया गया है। बता दें कि सत्तारूढ़ वाम लोकतांत्रिक मोर्चा का नेतृत्व सीपीआई (एम) करती है जबकि विपक्षी संयुक्त लोकतांत्रिक मोर्चा, जिसका नेतृत्व कांग्रेस करती है। साल 2021 में केरल में एलडीएफ गठबंधन ने 99 सीटों पर जीत दर्ज करके सरकार बनाई थी। वहीं यूडीएफ (कांग्रेस गठबंधन) को 41 सीटें मिली थीं। यह देश का इकलौता राज्य है, जहां लेफ्ट सत्ता पर काबिज है।

महिला आईएएस का फार्महाउस जुआरियों को देने वाले केयर टेकर, चौकीदार गिरफ्तार, कूबड़ा फरार

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● महिला आईएएस के फार्महाउस को जुआरियों को देने वाले तीन आरोपियों को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। हालांकि मुख्य सरगना कूबड़ा अभी भी फरार है। महिला आईएएस व पूर्व कलेक्टर वंदना वैद्य के मानपुर के आवंलीपुरा गांव स्थित फार्महाउस में हुए जुआकांड में तीन गिरफ्तार हुए हैं। मानपुर पुलिस ने आईएएस वंदना वैद्य के फार्महाउस के केयर टेकर रणजीत जाट के साथ ही चौकीदार अर्जुन गिरवार और खान-पान की व्यवस्था देखने वाले ऋषि यादव को गिरफ्तार किया है। यह सभी मानपुर के जंगलों में छिपे हुए थे।

बिना आईएएस के जानकारी दिया था-पुलिस की प्रारंभिक पूछताछ में केयर केटर जाट की भूमिका सामने आई है। इसमें माना है कि आईएएस को इसकी जानकारी नहीं थी। उनके बहुत कम वहां आने के चलते डील कर जुआरियों को जगह दी गई। इसके

बदले जुआरियों ने उसी अच्छी राशि दी थी।

मुख्य आरोपी कूबड़ा फरार-इस जुआ अड्डे का संचालन करने वाले मुख्य सरगना जगदीश हड्डा राठौड़ उर्फ कूबड़ा अभी भी पुलिस की गिरफ्त से बाहर है। घटना के दिन ही जब पुलिस ने 18 जुआरियों को पकड़ा था तभी वह मौके से भाग गया था। माना जाता है कि उसके साथ गैंग का ही दिनेश राजपूत और उसका साथी सागर सेन भी था, ये सभी भाग गए थे। इसके साथ एक बड़ी राशि भी यह साथ ले गए थे। इसके चलते पुलिस को मौके से केवल 13.67 लाख रुपए ही मिले थे।

बड़ी गैंग का सदस्य है कूबड़ा-इस मामले में शुक्रवार को ही खुलासा किया था कि कूबड़ा एक बड़ी गैंग का पार्टनर है। यह गैंग मुख्य रूप से राजगढ़ धार के मनीष चाइस, भूपेंद्र जैन कांकरिया की है। इनके खिलाफ धार में अलग-अलग थानों में केस दर्ज है।

मानपुर थाना टीआई बदला-उधर इस जुआकांड में पुलिस की भूमिका संदिग्ध होने के बाद पुलिस ने टीआई मानपुर लोकेंद्र सिंह हिरवे को सस्पेंड किया था। साथ ही एसआई मिथुन ओसारी और एएसआई रेशम गिरवाल को भी सस्पेंड किया था।

अब एसपी ने मानपुर सहित तीन ग्रामीण इंदौर के टीआई बदले हैं। मानपुर थाने में महेंद्र मकाश्रे को पदस्थ किया है। वहीं कुलदीप खत्री को किशनगंज थाने से ट्रांसफर कर सिमरोल थाना टीआई पर पदस्थ किया है। सिमरोल टीआई अमित भाभर को किशनगंज थाना पदस्थ किया है। यह आदेश एसपी ग्रामीण इंदौर यांगचेन डालकर भूटिया ने जारी किया है।

आईएएस की आय से अधिक संपत्ति, फार्महाउस से होती है लाखों की कमाई

इंदौर के महू तहसील के मानपुर में आंवलीपुरा गांव के फार्महाउस में जुआ कांड हुआ। यह फार्महाउस साल 2009 बैच की प्रमोटी आईएएस व पूर्व कलेक्टर वंदना वैद्य और सहकारिता में क्लास वन अधिकारी रहे उनके पति अंबरीश वैद्य का है। हालांकि पुलिस जांच में सामने आया है कि यह फार्महाउस उनकी बिना जानकारी के ही केयर टेकर रणजीत ने जुआ खेलने के लिए दे दिया था। हाल ही में सभी आईएएस ने अपनी संपत्तियों का ब्यौरा सरकार को दिया है। इसमें भी यह संपत्ति बताई गई है।

वंदना वैद्य के पास यह है संपत्ति-जोतपुर जिला, जबलपुर में खेती की जमीन है, जिसकी कीमत 18 लाख रुपए है और यह अंबरीश वैद्य के नाम पर है। आवंलीपुरा गांव, मानपुर, इंदौर में एक बड़ी खेती की जमीन है, जिसकी कीमत 28 लाख रुपए है। साथ ही, यहां एक घर और स्टोरेज हॉल भी है, जिनकी कीमत 75 लाख रुपए है। इस संपत्ति से हर साल 3 लाख रुपए की आय होती है। (इसी फार्महाउस पर जुआ पकड़ाया है) गांधी पार्क कॉलोनी, इंदौर में पुराना घर है, जिसकी कीमत 35 लाख रुपए है। यह घर आईएएस वंदना वैद्य को उनकी मां ने उपहार में दिया था। ग्राम हुक्माखेड़ी में खेती की जमीन है, जिसकी कीमत 15 लाख रुपए है। यह भी अंबरीश और वंदना के संयुक्त नाम पर है और वसीयत से मिली है।

अमिया प्लाजा, ओल्ड पलासिया, इंदौर में एक पुराना फ्लैट है, जिसकी कीमत 30 लाख रुपए है और यह वंदना की बेटी के नाम पर है। यह संपत्ति भी वसीयत से मिली है। मानपुर, इंदौर में 1200 वर्गफीट का प्लॉट है, जिसकी कीमत 19 लाख रुपए है। यह प्लॉट उनके बेटे के नाम पर है और बेटे ने इसे अपनी खुद की आय से खरीदा है।

कुल दो करोड़ 20 लाख की संपत्ति-इस तरह वैद्य दंपत्ती और उनके बेटे-बेटी के नाम पर कुल अचल संपत्तियों की कीमत दो करोड़ 20 लाख रुपए बताई गई है। वहीं, जिस फार्महाउस पर हाल ही में जुआ पकड़ा गया था। यहां की जमीन से उनकी सालाना आय तीन लाख रुपए है। इस फार्महाउस की जमीन करीब पौने तीन हेक्टेयर है।

न्यूज ब्रीफ

आनंद गोधा अध्यक्ष बने

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● दिगंबर जैन समाज सामाजिक संसद के अध्यक्ष पद हेतु आज उदासीन आश्रम परिसर में लोकतांत्रिक प्रक्रिया से संपन्न चुनाव में आनंद गोधा विजयी हुए। दिगंबर जैन समाज सामाजिक संसद (कीर्ति स्तंभ) के 633) सांसद प्रतिनिधियों ने मतदान किया 3 वोट निरस्त हुए।सीधे मुकाबले में दिलीप पाटनी को 288 एवं आनंद गोधा को 315 मत प्राप्त होने से मुख्य निर्वाचन अधिकारी एवं पूर्व न्यायाधीश नरेंद्र जैन ने मतगणना के पश्चात गोधा को 27 मतों से दिगंबर जैन समाज सामाजिक संसद के अध्यक्ष पद हेतु विजयी घोषित किया। धर्म समाज प्रचारक राजेश जैन दद्दू ने बताया कि परिणाम की घोषणा होते ही सर्वप्रथम मतदान स्थल पर उपस्थित प्रतिद्वंदी प्रत्याशी दिलीप पाटनी एवं दिगंबर जैन समाजके वरिष्ठ टी के ,वेद,एम के जैन, शेखर छाबड़ा,बाहुबली पांड्या ,डॉ जैनेंद्र जैन, राजेश जैन दद्दू,कीर्ति पांड्या, मनोहर झांझरी, प्रदीप चौधरी सहित अनेकों सांसद प्रतिनिधियों ने पाटनी को हार और मोती माला पहनाकर बधाई एवं शुभकामनाएं दी। इस चुनाव को लेकर समाज में बहुत उत्साह था। चुनाव में मतदान हेतु नगर में स्थापित 136 जैन मंदिरों के 735 प्रतिनिधि मतदाता थे। लेकिन 633 मतदाताओं ने मतदान किया।

स्मार्ट मॉर्निंग न्यूट्रिशन की शक्ति से अपनी इम्यूनिटी को मजबूत बनाएं

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● मौसम बदलने के समय मौसमी वायरल संक्रमण अक्सर बढ़ जाते हैं, इसलिए अपनी इम्यूनिटी को मजबूत बनाना बहुत जरूरी हो जाता है। सर्दी, फ्लू और अन्य सांस से जुड़ी बीमारियां ऐसे मौसम में तेजी से फैलती हैं। इसलिए दिन की शुरुआत से ही शरीर को पोषक तत्वों से भरपूर भोजन देना फायदेमंद होता सुबह के भोजन में बादाम, अंडे, खट्टे फल, फर्मेंटेड फूड्स और साबुत अनाज जैसे खाद्य पदार्थ शामिल करने से शरीर को ऊर्जा और जरूरी सूक्ष्म पोषक तत्व मिलते हैं।

देपालपुर कोर्ट ने पति के पक्ष में सुनाया तलाक का फैसला

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

देपालपुर ● पति ने वकीलों के जरिए कोर्ट में ऐसे सबूत पेश किए, जिससे पत्नी की क्रूरता सामने आई। कोर्ट ने तलाक का आदेश दे दिया। प्रथम अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश देपालपुर हिदायत उल्ला खान की कोर्ट में नरेन्द्र बलराम चौहान निवासी वार्ड नंबर 1, नयापुरा (गौतमपुरा) ने पत्नी रवीना के खिलाफ हिंदू विवाह अधिनियम 1955 की धारा 13-क के तहत तलाक के लिए मामला लगाया था। उसकी तरफ से एडवोकेट बेणीराम पटेल, विपुल पटेल, आशीष सोनी और संदीप ठाकुर पैरवी कर रहे थे।रवीना शुरू से ही नरेन्द्र से शादी नहीं करना चाहती थी। नरेन्द्र के वकील पटेल के अनुसार उसने शादी के बाद नरेन्द्र से कहा कि मेरा किसी ओर से अफेयर था। घरवालों ने जबरदस्ती तुमसे शादी कर दी है। रवीना रोज ससुराल में झगड़ा करती। सास-ससुर को परेशान करती। उसने दबाव बनाकर नरेन्द्र को घर से अलग कर दिया और उसे देवास ले जाकर रहने लगी। नरेन्द्र को उसकी गतिविधि पर शक था। रवीना के मोबाइल की सिम नरेन्द्र के नाम पर थी। उसने मोबाइल कंपनी में आवेदन देकर रवीना के नंबर की वाट्सअप चेटिंग, कॉल डिटेल, मैसेज सेज की जानकारी निकलवाई तो खुलासा हुआ कि वो कुछ लोगों के संपर्क में है। जिस कंपनी में काम करती है, वहां के मैनेजर से उसकी लगातार बात होती है और वो मैसेज भी करता है। मैसेज भी विवादित है। ये ही नहीं, कोर्ट में केस चल रहा था, इसी दौरान रवीना ने चौहान से तलाक लिए बगैर शादी कर ली। बच्चा भी हो गया। एडवोकेट पटेल का कहना है कि दस्तावेजों के साथ सारी जानकारी कोर्ट को बताई गई। कोर्ट ने इन्हीं दस्तावेजों के आधार पर रवीना के व्यवहार को क्रूरतापूर्ण माना। चौहान के पक्ष में तलाक की डिक्री दे दी।

गेहूं के खेतों में लगी आग, फसल जलकर हुई खाक

किसान हितों की अनदेखी : सरकार पर लगा आरोप

निलेश चौहान : 94250-77209

देपालपुर ● दैनिक इंदौर संकेत

शाहपुरा गांव में भीषण आग 40 बीघा गेहूं की फसल जलकर राख, किसानों को भारी नुकसान देपालपुर के अंतर्गत आने वाले ग्राम शाहपुरा में रविवार को अचानक भीषण आग लगने से 40 बीघा गेहूं की खड़ी फसल जलकर राख हो गई। इस घटना में गांव के कई किसानों को भारी नुकसान हुआ है। बताया जा रहा है कि गांव के पूर्व सरपंच चंदर सिंह चौहान सहित अन्य किसानों के खेतों में भी आग की चपेट में आकर गेहूं की फसल पूरी तरह नष्ट हो गई।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार दोपहर के समय खेतों की ओर से धुआं उठता दिखाई दिया, जिसके बाद कुछ ही देर में आग ने विकराल रूप ले लिया। हवा चलने के कारण आग तेजी से आसपास के खेतों में फैलती चली गई और देखते ही देखते कई किसानों की मेहनत की फसल जलकर राख हो गई घटना की सूचना मिलते ही गांव के लोग

बड़ी संख्या में मौके पर पहुंच गए और आग बुझाने के लिए ट्रैक्टर और अन्य संसाधनों की मदद से लगातार प्रयास किए। किसानों ने ट्रैक्टर से खेतों की जुताई कर आग को आगे फैलने से रोकने की कोशिश की ग्रामीणों ने पानी और मिट्टी डालकर भी आग पर काबू पाने का प्रयास किया लगभग काफी देर की मशक्कत के बाद ग्रामीणों की मदद से आग पर काबू पाया जा सका, लेकिन तब तक 40 बीघा की गेहूं की फसल जलकर पूरी तरह नष्ट हो चुकी थी।

इस घटना से प्रभावित किसानों को लाखों रुपये का नुकसान होने की आशंका जताई जा रही है। ग्रामीणों ने प्रशासन से मांग की है कि घटना की जांच कर नुकसान का सर्वे कराया जाए और प्रभावित किसानों को जल्द से जल्द मुआवजा दिया जाए।

आग लगने के कारणों का अभी स्पष्ट पता नहीं चल पाया है। प्रशासन और संबंधित विभाग द्वारा मामले की जांच की जा रही है

किसानों ने सरकार पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि प्रदेश और केंद्र सरकार किसानों के साथ धोखा कर रही है। किसान ने कहा कि सरकार एक तरफ किसानों से बीमा प्रीमियम लेती है, लेकिन जब फसल नुकसान होता है, तो उन्हें बीमा लाभ से वंचित रखा जाता है रबी की फसल गेहूं में गर्मी के मौसम में हर साल आगजनी की घटनाएं होती हैं, लेकिन सरकार ने अभी तक इस पर कोई ध्यान नहीं दिया है। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार सिर्फ बीमा कंपनियों को लाभ पहुंचाने के लिए काम कर रही है, ताकि वे भारतीय जनता पार्टी को चंदा दे सकें।

किसी व्यापारी की दुकान जल जाए गाड़ी व्हीकल का एक्सीडेंट हो जाए तो उसमें बीमा लाभ दिया जाता है तो देश की जनता का पेट भरने वाले अनदाता किसानों को आगजनी में हुई फसल का नुकसान बीमा कंपनी को देना चाहिए। किसानों ने चेतावनी दी कि अगर सरकार ने इस पर जल्द निर्णय नहीं लिया, तो आगामी दिनों में किसानों के साथ उग्र आंदोलन किया जाएगा, जिसकी समस्त जवाबदारी शासन-प्रशासन की होगी।

राधा कृष्ण फाग उत्सव का आयोजन संपन्न

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● श्री परशुराम सेना के अध्यक्ष प्रकाश शर्मा (पप्पी), सबके राम के संचालिका और श्री परशुराम सेना महिला समिति के अध्यक्ष प्रवीणा अग्निहोत्री ने बताया कि अवधलोक दशहरा मैदान, इंदौर पर रंगारंग उत्सव का आयोजन किया गया जिसमें समाज के विभिन्न वर्गों ने इस रंगारंग उत्सव का आनंद लिया। परशुराम सेना के प्रदेश अध्यक्ष अनूप शुक्ला ने बताया कि फाग उत्सव में बच्चे जगन्नाथ जी, बाल स्वरुप राधा कृष्ण, भगवान राम, राधा रानी, के रूप में सुशोभित होकर उपस्थित रहे। बच्चों को आकर्षक पुरस्कार वितरित किये गए। आयोजन समिति के विजेंद्र दीक्षित, मोनेश जोशी ने बताया कि प्रसिद्ध भजन गायक पंडित गन्नू महाराज के द्वारा राधा कृष्ण फाग गाया और सभी बाल स्वरूप भगवान के साथ महिलाएं और पुरुषों ने नृत्य भी किया। पंडित प्रकाश शर्मा (पप्पी),नगर संयोजक दीपक शर्मा ने बताया कि कार्यक्रम में मुख्य अतिथि महामंडलेश्वर राम गोपाल दास महाराज, पवन दास महाराज, पूर्व विधायक संजय शुक्ला, अन्नू बाजपेई, विभिन्न संगठनों से ब्राह्मण सेवा संगठन, परशुराम महासभा, श्रीगौड़ ब्राह्मण समाज, सत्येंद्र शर्मा, कमल शुक्ला, गोविन्द शर्मा, संजय मिश्रा, घनश्याम वैष्णव आदि शामिल रहे।

घरेलू गैस सिलेंडर संकट को लेकर कांग्रेस ने कलेक्टर कार्यालय पर घेरावकर सौंपा ज्ञापन

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● इंदौर शहर कांग्रेस कमेटी के कार्यवाहक अध्यक्ष देवेंद्र सिंह यादव एवं ब्लॉक कांग्रेस के अध्यक्ष शैलू सेन के नेतृत्व में आज कलेक्टर कार्यालय पर घेराव कर इंदौर शहर कांग्रेस कमेटी एवं मध्यप्रदेश राजीव विकास केंद्र द्वारा एक कलेक्टर शिवम वर्मा के नाम ADM दीपक चौहान को दिया। ज्ञापन के माध्यम से जहां घरेलू गैस सिलेंडर उपभोक्ताओं और आम नागरिक को नहीं मिल पा रहे हैं जिससे आम जनता परेशान हो रही है वहीं कमर्शियल गैस सिलेंडर पर प्रतिबंध के बाद घरेलू गैस सिलेंडर को लेकर मारामारी मची हुई है गैस एजेंसी पर लंबी लंबी कतारें लगी हुई है जिससे लेकर आम उपभोक्ताओं को परेशानी हो रही है कई उपभोक्ताओं के पास स्मार्ट फोन नहीं है जिससे वह सिलेंडर बुक

नहीं करा पा रहे हैं जिनके पास स्मार्टफोन है उस पर संबंधित कंपनी के एप से बुकिंग में परेशानी आ रही है और लोग परेशान हो रहे हैं वहीं सिलेंडर की डिलीवरी पर डिलीवरी डीएसी नंबर अनिवार्य किया गया है जो ऑनलाइन बुकिंग के बाद मिलता है उसको बताने के बाद ही डिलीवरी की जा रही है अगर किसी को भोक्ता के पास मोबाइल नहीं है तो उसे सिलेंडर लेने में परेशानी आ रही है वहीं डिलीवरी बांय के पास एक काम और बढ़ गया है आम उपभोक्ताओं को घरेलू गैस सिलेंडर जहां नहीं मिल रहे हैं वहीं व्यवसायिक गैस सिलेंडर बंद होने से छोटे व्यापारियों के सामने व्यवसाय के सिलेंडर बंद होने से उनकी रोजी रोटी पर सीधा असर पड़ रहा है रोज कमाकर खाने वाले इन दुकानदारों के लिए ये स्थिति चिंता का विषय बन गई है वहीं रोड़ किनारे वे बिजली का कनेक्शन कहां से लाएं यादी जल्दी कोई वैकल्पिक व्यवस्था नहीं की गई तो उनके परिवार रोड़ पर आ जाएंगे दो वक्त के खाने के भी लाले पड़ जाएंगे।

ग्राम विकास में ग्रामीणों की भागीदारी आवश्यक - शर्मा

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● गांव हो या शहर, किसी भी क्षेत्र का वास्तविक विकास तब संभव है जब स्थानीय लोग स्वयं उसमें सक्रिय भागीदारी करें। जनभागीदारी के माध्यम से ही कई गांवों और शहरों की तस्वीर बदली है। आज के समय में विशेष रूप से युवाओं को आगे आकर विकास कार्यों में अपनी भूमिका निभानी चाहिए।

यह विचार मप्र जन अभियान परिषद के इंदौर ब्लॉक समन्वयक प्रवेश शर्मा ने वावल्याखुर्द में आयोजित प्रस्फुटन समितियों के एक दिवसीय क्षमतावर्धन प्रशिक्षण कार्यक्रम में व्यक्त किए। यह प्रशिक्षण मप्र जन अभियान परिषद द्वारा चयनित ग्राम विकास प्रस्फुटन समितियों के लिए आयोजित किया गया था, जिसमें समितियों को मजबूत बनाने और ग्राम स्तर पर विकास कार्यों को प्रभावी ढंग से संचालित करने के संबंध में जानकारी दी गई। कार्यक्रम का आयोजन वावल्याखुर्द स्थित शासकीय हाई स्कूल परिसर में किया गया। प्रशिक्षण कार्यक्रम की शुरुआत अतिथियों द्वारा मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण और दीप प्रज्वलन के साथ हुई।

डेली कॉलेज भरेगा 1.5 करोड़ डायवर्सन टैक्स, पिंटू छाबड़ा को वसूली नोटिस गलत, हाईकोर्ट से स्टे

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● जिला प्रशासन ने डायवर्सन टैक्स वसूली को लेकर हाल ही में डेली कॉलेज और पिंटू छाबड़ा दोनों को नोटिस जारी किए थे। इस नोटिस से कॉलेज प्रबंधन को ही राहत है, वहीं पिंटू को मिला नोटिस हाईकोर्ट केस के विपरीत है। इंदौर के डेली कॉलेज प्रबंधन को हाल ही में कलेक्टोरेट ने दो नोटिस थमाए थे। इसके साथ ही सबसे बड़े माल संचालक गुरजीत सिंह उर्फ पिंटू छाबड़ा और उनकी पत्नी प्रभजोत कौर को 1 करोड़ रुपए के नोटिस जारी हुए थे । दोनों ही नोटिस डायवर्सन टैक्स की वसूली को लेकर जूनी इंदौर तहसील के अधिकारियों द्वारा जारी किए गए हैं। दोनों नोटिस को लेकर अब एक और कहानी सामने आई है।

डेली कॉलेज राशि जमा करने को तैयार-डेली कॉलेज तो 1 करोड़ 50 लाख रुपए की राशि जमा करने के लिए तैयार है। वह हर साल डायवर्सन टैक्स के लिए तैयार है। यह पहली बार कॉलेज प्रबंधन को नोटिस जारी हुआ है। दरअसल इस स्कूल की एक बड़ी जमीन रेसीडेंसी एरिया में आ रही है। इसे लेकर नगर निगम लगातार दावा करता रहा है कि यह जमीन उनकी है। वहीं मध्यप्रदेश शासन इसे शासकीय जमीन घोषित कर

चुका है। हाल ही में इस एरिया का सर्वे जिला प्रशासन ने भी किया है। ऐसे में डायवर्सन टैक्स जमा करने से डेली कॉलेज को नगर निगम के चल रहे दावे और विवाद से राहत मिलेगी। माना जा रहा है कि वह जल्द ही इस टैक्स को जमा कर देगा।

पिंटू छाबड़ा को पांच साल से स्टे- प्रशासन ने सी-21 की बायपास के पास स्थित निपानिया की जमीन (जहां बड़े आयोजन और म्यूजिक कांसर्ट होते हैं) को लेकर पिंटू छाबड़ा को दो नोटिस दिए हैं। एक नोटिस गुरजीत सिंह उर्फ पिंटू छाबड़ा को यहां की 3.667 हेक्टेयर जमीन को लेकर है। इस पर 57 लाख 36 हजार रुपए का डायवर्सन टैक्स निकाला गया है। वहीं दूसरी जमीन पिंटू और उनकी पत्नी प्रभजोत कौर के नाम पर 1.939 हेक्टेयर है। इसके लिए 49 लाख 25 हजार रुपए का वसूली नोटिस दिया गया है।

डेली कॉलेज को इस तरह मिला था 1.50 करोड़ का नोटिस

डेली कॉलेज को दो नोटिस जारी हुए हैं। एक नोटिस डेली कॉलेज प्रिंसिपल के नाम पर 1 करोड़ 50 लाख का जारी हुआ है। इस नोटिस में है कि बीते पांच साल से मूसाखेड़ी स्थित कॉलेज का 3 लाख 34 हजार 870 वर्गमीटर एरिया का टैक्स नहीं भरा गया है। इसमें 1 करोड़ टैक्स के साथ ही 50 फीसदी जुर्माना भी लगा है। इस तरह कुल टैक्स राशि 1 करोड़ 50 लाख का नोटिस जारी किया गया है। इसके साथ ही एक अन्य नोटिस कॉलेज के ही चितावद ग्राम स्थित 29 हजार 670 वर्गमीटर एरिया के डायवर्सन टैक्स बकाया को लेकर दिया गया है। इसमें टैक्स राशि 13 लाख 35 हजार रुपए है। इसमें भी 50 फीसदी जुर्माना लगा है और पांच साल का टैक्स वसूली नोटिस दिया गया है।

कुल मिलाकर छाबड़ा दंपत्ति पर लगभग 1 करोड़ रुपए का डायवर्सन टैक्स वसूली निकाली गई है। इसका जवाब इन्होंने प्रशासन को दे दिया है। यह जमीन हाउसिंग बोर्ड के साथ विवादों में फंसी हुई है। इसे लेकर हाईकोर्ट से लेकर सुप्रीम कोर्ट में केस चल रहा है। छाबड़ा ने प्रशासन को दिए जवाब में हाईकोर्ट इंदौर द्वारा 21 मार्च 2021 को दिए गए स्टे ऑर्डर का हवाला दिया है। इस आदेश के तहत याचिकाकर्ता पर किसी भी तरह की कोरेसिव एक्सन (दंडात्मक) कार्रवाई पर रोक है। इस तरह प्रशासन वसूली के लिए नोटिस नहीं दे सकता है।

सांध्य दैनिक
इंदौर संकेत
इंदौर, सोमवार 16 मार्च 2026

मूसाखेड़ी फ्लाइओवर पर अप्रैल तक पूरा होगा गर्डर लॉचिंग का काम

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ●मूसाखेड़ी फ्लाईओवर का निर्माण कार्य इन दिनों धीमी गति से चल रहा है। निर्माण एजेंसी के सामने सबसे बड़ी समस्या फ्लाईओवर के बीच स्थित मंदिर और प्रतिमा को हटाए जाने की है। यह काम अभी तक नहीं हो पाया है, जिसके कारण परियोजना का काम प्रभावित हो रहा है। फिलहाल फ्लाईओवर के दोनों ओर गर्डर लॉन्च करने का काम जारी है, जिसे अप्रैल तक पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है।

करीब 67 करोड़ रुपये की लागत से एमपीआरडीसी द्वारा बनाए जा रहे इस फ्लाईओवर की लंबाई लगभग 780 मीटर है और यह 6-लेन का सिंगल पिलर फ्लाईओवर होगा। शुरुआत में इस परियोजना को मार्च 2026 तक पूरा करने का लक्ष्य रखा गया था, लेकिन विभिन्न कारणों से काम कई महीनों पीछे चल रहा है। अब जून 2026 तक की डेडलाइन तय की गई है। निर्माण एजेंसी का मानना है कि प्रोजेक्ट को पूरी तरह पूरा होने में कम से कम छह महीने और लग सकते हैं। इसके बाद ही इस पर यातायात शुरू हो सकेगा।

गर्डर लॉन्चिंग का कार्य और गैन्ट्री तकनीक का उपयोग

फिलहाल फ्लाईओवर के दोनों ओर पिलर खड़े किए जा चुके हैं और अब उन पर गर्डर लॉन्चिंग का काम चल रहा है। पटरी पर चलने वाले विशेष गैन्ट्री गेट्स की मदद से अब तक लगभग 7 टन वजनी तीन गर्डर रखे जा चुके हैं। पहले चरण में तीन स्पान पर कुल 24 गर्डर लगाए जाएंगे, जिनमें हर स्पान पर आठ-आठ गर्डर रखे जाने हैं। निर्माण एजेंसी का कहना है कि आने वाले 15 दिनों में 21 और गर्डर लगाए जाएंगे, जिससे यह चरण लगभग पूरा हो जाएगा।

आधुनिक तकनीक से सटीक पोजिशनिंग

निर्माण एजेंसी के प्रोजेक्ट मैनेजर सुभाष दास के मुताबिक गर्डर लगाने के लिए आधुनिक तकनीक का इस्तेमाल किया जा रहा है। इससे गर्डर को बिल्कुल सही स्थान पर सटीक तरीके से रखा जा सकता है। जहां क्रेन से गर्डर लगाए जाते हैं, वहां अक्सर कंपन अधिक होता है, जिससे उसकी पोजिशनिंग में दिक्कत आ सकती है। गैन्ट्री तकनीक से यह समस्या काफी हद तक कम हो जाती है।

सामग्री की उपलब्धता और आगामी लक्ष्य

फ्लाईओवर के बीच वाले हिस्से में बूस्टिंग कार्य भी अप्रैल में शुरू होने की उम्मीद है। इसके लिए लगभग 700 टन निर्माण सामग्री की जरूरत है, लेकिन अभी तक करीब 200 टन सामग्री ही साइट पर पहुंची है। सामग्री पूरी आने के बाद बीच के हिस्से का काम तेजी से शुरू किया जाएगा।

भोपाल की ताल के चौपाल से

दुबई का दर्द, मेडम का जमीन प्रेम और पत्रकार का डायरेक्ट कनेक्शन

बोल हरि बोल

हरीश दिवेकर

सत्ता और सिस्टम के गलियारों में बहुत कुछ ऐसा होता है जो फाइलों में दर्ज नहीं होता, लेकिन चर्चाओं में खूब तैरता रहता है। मंत्रालय से लेकर जिलों तक अफसरों और नेताओं के आसपास कई ऐसे किस्से जन्म लेते हैं, जो आधे सच और आधे तंज के साथ पूरे प्रशासनिक माहौल की तस्वीर दिखा देते हैं। सिस्टम के गलियारों में खबरें अक्सर फाइलों से कम और फुसफुसाहटों से ज्यादा निकलती हैं। ऐसे ही कुछ चटपटे किस्से और अंदरखाने की हलचल लेकर हाजिर है वरिष्ठ पत्रकार हरीश दिवेकर का साप्ताहिक कॉलम, बोल हरि बोल...

मैडम को जुगाड़ की जमीन चाहिए

मंत्रालय में ऊंचे पद पर बैठे साहब भले ही ईमानदारी का गीत गाते हों, लेकिन घर की सरकार कुछ और ही सुर में चल रही है। मैडम इन दिनों भोपाल में बैठकर इंदौर के तहसीलदारों को फोन घुमा रही हैं। मैडम का एक ही सवाल होता है, कहीं ऐसी जमीन दिखी क्या, जिसमें कागजों में थोड़ा बहुत पेंच हो और बाजार से सस्ते में मिल जाए बेचारे तहसीलदार भी क्या करें। साहब का पद बड़ा है, इसलिए मैडम की बात को हल्के में लेने की हिम्मत किसी में नहीं। जी मैडम, देखते हैं, कहकर मामला टालते रहते हैं। दो-एक तहसीलदार मेहनत करके जमीन ढूंढ भी लाए, लेकिन मैडम को उनका रेट पसंद नहीं आया। मैडम का साफ कहना है। जमीन चाहिए तो मरे के दाम में चाहिए। अब तहसीलदार भी सोच में हैं कि इतनी सस्ती जमीन आखिर मिलेगी कहां?

कलेक्टर मैडम और दारू वाले साहब

दारू महकमे के एक अधिकारी इन दिनों हर दरवाजे पर जाकर अपनी सजा माफ करवाने की गुहार लगा रहे हैं। उनका आरोप है कि कलेक्टर मैडम को उनकी मनचाही रकम नहीं दी तो उन पर कार्रवाई कर दी गई। दारू वाले साहब का कहना है कि सिस्टम में जो चल रहा था, वही हिसाब हम दे रहे थे। लेकिन मैडम डबल का हिसाब मांग रही थीं। हमने मना किया तो एक्शन ले लिया। अब इस कहानी में सच कितना है और शिकायत कितनी, यह तो मैडम ही बता सकती हैं। लेकिन साहब ने बड़े अफसरों के सामने इतना रोना रोया है कि प्रशासनिक गलियारों में मैडम की चर्चा जरूर शुरू हो गई है।

ईरान का युद्ध और अफसरों की टेंशन

आप सोच रहे होंगे कि ईरान के युद्ध से अफसरों को तेल-गैस या शेयर मार्केट की चिंता होगी। लेकिन असली टेंशन कुछ और ही है। दरअसल चर्चा है कि कुछ खास अफसरों ने दुबई में अच्छा खासा निवेश कर रखा है। किसी ने बच्चों के नाम पर कंपनी खोली है, तो किसी ने रिश्तेदारों के जरिए कारोबार खड़ा किया है। ऊपर से गोल्डन वीजा भी ले लिया। अब युद्ध के बाद दुबई पर खतरे की खबरों ने इन अफसरों की नींद उड़ा दी है। निवेश बढ़ने के बजाय घटता दिख रहा है। हमारी सलाह तो यही है। इतना टेंशन क्यों लेते हैं साहब आखिर पैसा खेत के गेहूं बेचकर तो लाए नहीं थे... यहीं कमाया था, यहीं लग रहा है।

तथाकथित पत्रकार से सावधान

पावर कॉरिडोर में इन दिनों एक तथाकथित पत्रकार की खूब चर्चा है। यह स्वयंभू पत्रकार इतना माहिर है कि कई अफसर इसकी बातों में आ चुके हैं। पहले इसके निशाने पर प्रमोटी आईएएस और आईपीएस हुआ करते थे, लेकिन अब साहब का आत्मविश्वास इतना बढ़ गया है कि सीधे डायरेक्ट आईएएस पर हाथ साफ करने लगे हैं। इनका तरीका बड़ा दिलचस्प है। किसी वरिष्ठ अफसर को फोन लगाकर स्पीकर पर बात करवाते हैं और सामने वाले को अपनी गहरी पहुंच का भरोसा दिलाते हैं। फिर शुरू होता है मलाईदार पोस्टिंग का सपना। हाल ही में दो डायरेक्ट आईएएस अफसरों को नगर निगम कमिश्नर बनवाने का झांसा देकर 20-20 लाख का झटका दे चुके हैं। बेचारे अफसर अब चुप हैं। शिकायत भी कैसे करें? पैसा अगर नंबर-1 का होता तो थाने में रिपोर्ट लिखवा देते। अब काले-पीले की कहानी किसे सुनाएं।

न्यूज ब्रीफ

मेट्रो की सुरक्षा में सेंध -केबल चुरा ले गए शातिर चोर

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ●शहर की मेट्रो प्रोजेक्ट की सुरक्षा में बड़ी सेंध लगाते शहर के शातिर चोर उसकी सुरक्षा के लिए लगी महत्वपूर्ण अर्थिंग केबलों को काटकर चुरा ले गए। चोरों ने वारदात को अंजाम देने के पहले मेट्रो प्रोजेक्ट को बिजली आपूर्ति देने वाली 132 केवी एक्स्ट्रा हाई टेंशन अंडरग्राउंड केबल को काट दिया। वारदात बाणगंगा थाना क्षेत्र की है। मेट्रो परियोजना के एमआर 10 स्थित 132 केवी सबस्टेशन को जैतपुरा के 220 केवी सब स्टेशन से डबल सर्किट ट्रांसमिशन लाइन के माध्यम से बिजली आपूर्ति की जाती है। इस लाइन के एक सर्किट में बार-बार ट्रिपिंग की सूचना मिलने के बाद विभागीय टीम ने लाइन की पेट्रोलिंग की। तो जांच में पता चला कि एमआर-10 रोड पर मोनोपोल क्रमांक 50 और मेट्रो सबस्टेशन के बीच सड़क क्रॉसिंग के लिए डाली गई अंडरग्राउंड केबल का एक फेज क्षतिग्रस्त हो गया है। प्रारंभिक जांच के बाद चोरी की घटना सामने आई जिस कारण लाइन का एक सर्किट बंद हो गया था ।

अचल संपत्ति के बाजार मूल्य निर्धारण प्रस्ताव 16 से 21 मार्च तक आमजन के अवलोकन हेतु उपलब्ध

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● वरिष्ठ जिला पंजीयक सुश्री मंजूलता पटेल ने बताया कि मार्गदर्शिका वर्ष 2026-27 हेतु अचल संपत्ति के बाजार मूल्य निर्धारण हेतु जिला मूल्यांकन समिति जिला इन्दौर की गत दिवस आयोजित बैठक में अनुमोदित किये गये प्रस्ताव आमजन के अवलोकन / सुझाव हेतु वरिष्ठ जिला पंजीयक / जिला पंजीयक कार्यालय, जिला इन्दौर-1, 2, 3, 4, वरिष्ठ उप पंजीयक कार्यालय, उप जिला इन्दौर 1, 2, 3 एवं 4 तथा तहसील मुख्यालय डॉ. अम्बेडकर नगर (महू)/ सांवेर/ देपालपुर में 16 मार्च 2026 से 21 मार्च 2026 को शाम 6 बजे तक खुले रखे जाएंगें।

कोलकाता में आयोजित प्रधानमंत्री की आमसभा का भाजपा कार्यालय पर लाइव प्रसारण

बंगाली समाजजनों ने लिया विकसित बांग्ला- विकसित भारत का संकल्प

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ●भाजपा कार्यालय पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की कोलकाता के ब्रिगेड परेड ग्राउंड पर आयोजित आमसभा का विशेष प्रसारण किया गया। कार्यालय पर भाजपा महामंत्री महेश कुकरेजा, पार्षद प्रणव मंडल, नगर उपाध्यक्ष भूपेंद्र केसरी, अनंत पंवार मीडिया प्रभारी वरुण पाल, प्रशिक्षण सहप्रभारी अशोक अधिकारी ने बंगाली समाजजनों के साथ इस आमसभा का लाइव प्रसारण एलईडी स्क्रीन के माध्यम से देखा। भाजपा नगर अध्यक्ष सुमित मिश्रा ने बताया कि देश की आजादी की लड़ाई की चिंगारी बंगाल से उठी और पूरे देश में फैल गई थी। रविंद्रनाथ टैगोर, सुभाषचंद्र बोस, ईश्वर चंद्र विद्यासागर, राजा राममोहन राय, स्वामी विवेकानंद, बंकिम चंद्र चटर्जी, जगदीश चंद्र बसु और खुदी राम बोस जैसे महापुरुषों ने उस पावन धरती से भारत माता की आजादी के साथ देश को परम वैभव के शिखर पर ले जाने का सपना देखा था, लेकिन टीएमसी और ममता बनर्जी के राज में बंगाल में जंगल राज कायम हो गया। आज प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रेल परियोजनाओं सहित अनेक

विकास कार्यों के लिए 18600 करोड़ रुपये की सौगात देकर बंगाल के विकास को गति देने का काम किया। बंगाल की जनता परिवर्तन चाहती है, विकास चाहती है, गुंडागर्दी और अराजकता से मुक्ति चाहती है, घुसपैठियों से मुक्ति चाहती है, लेकिन टीएमसी गुंडों, माफियाओं और घुसपैठियों को संरक्षण देकर सत्ता में आना चाहती है। बंगाल की जनता अब जाग चुकी है और हमारे महापुरुषों के सपनों के बंगाल का निर्माण कर विकसित भारत के संकल्प में अपना योगदान देना चाहती है। बंगाल की जनता अब ईवीएम से जवाब देगी।

लोक अदालत में बिजली संबंधी 7058 प्रकरण निराकृत, 2.74 करोड़ रू की छूट प्रदान

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ●मप्र पश्चिम क्षेत्र विद्युत कंपनी कंपनी को इस वित्तीय वर्ष की अंतिम लोक अदालत में प्रकरणों के निराकरण में उम्मीद के अनुसार सफलता मिली है। लोक अदालत में बिजली वितरण कंपनी के 7058 प्रकरण निराकृत हुए हैं, 5805 उपभोक्ताओं, बिजली उपयोगकर्ताओं को 2.74 करोड़ रू की छूट नियमानुसार , पात्रता अनुसार प्रदान की गई है । विद्युत वितरण कंपनी को 10.94 करोड़ रू का राजस्व प्राप्त हुआ है। लोक अदालत को प्रभावी बनाने के लिए कंपनी क्षेत्र के 15 जिलों में हजारों नोटिस जारी कर समझौते के लिए उपभोक्ता, उपयोगकर्ता को तैयार कर ऊर्जा विभाग के आदेशानुसार छूट प्रदान करने की प्रभावी तैयारी की गई थी। मप्र पश्चिम क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी प्रबंध निदेशक अनूप कुमार सिंह के मार्गदर्शन में मुख्य सतर्कता अधिकारी एसआर बमनके ने सतर्कता और मैदानी कार्मिकों के माध्यम से लोक अदालत के लिए सघनतम प्रयास किए थे। कंपनी क्षेत्र के प्रत्येक जिले में लोक अदालत के लिए सैंकड़ों कार्मिकों ने अधिक से अधिक प्रकरण हल कराने के निमित्त सेवाएं दी। इस लोक अदालत में 10 लाख रूपए तक के सिविल दायित्व के प्रकरणों में समझौते की सीमा निर्धारित थी। विद्युत अधिनियम 2003 की धारा 135, धारा 126 के तहत दर्ज बिजली चोरी एवं अनियमितताओं के प्रकरणों का समझौता किया गया। प्री लिटिगेशन स्तर सिविल दायित्व की राशि पर 30 प्रतिशत एवं ब्याज की राशि पर 100 प्रतिशत की छूट, लिटिगेशन स्तर के प्रकरणों में आंकलित सिविल दायित्व की राशि पर 20 प्रतिशत एवं ब्याज की राशि पर 100 प्रतिशत छूट निर्धारित थी। धारा 126 के प्रकरणों में सिविल दायित्व की राशि पर 20 प्रतिशत एवं विलंब होने पर ब्याज में सौ प्रतिशत की छूट देय रही।

एमपी ट्रांसको में ट्रांसमिशन प्रोटेक्शन सिस्टम पर कार्यशाला आयोजित

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● मध्यप्रदेश पॉवर ट्रांसमिशन कंपनी के परीक्षण संभाग, सिंगरौली के संभागीय कार्यालय में 'रिले प्रोटेक्शन : सामान्य परिचय' विषय पर एक उपयोगी प्रशिक्षण कार्यशाला आयोजित की गई। कार्यशाला का उद्देश्य ट्रांसमिशन सिस्टम की सुरक्षा व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ बनाना तथा संबंधित अधिकारियों-कर्मचारियों की तकनीकी जानकारी को अद्यतन करना था। प्रशिक्षण सत्र में विशाल भालाधरे (सहायक अभियंता-परीक्षण) सहित अन्य विशेषज्ञों ने रिले प्रोटेक्शन प्रणाली, उसके संचालन, महत्व तथा ट्रांसमिशन सिस्टम की सुरक्षा से जुड़े विभिन्न तकनीकी पहलुओं की विस्तार से जानकारी दी। विशेषज्ञों ने बताया कि रिले प्रोटेक्शन प्रणाली विद्युत ट्रांसमिशन नेटवर्क की सुरक्षा में अत्यंत महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है और इससे संभावित विद्युत व्यवधानों एवं तकनीकी जोखिमों को समय रहते नियंत्रित किया जा सकता है।

इंदौर जिले में 21 मार्च को मनाया जायेगा विश्व डाउन सिंड्रोम दिवस

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● 21 मार्च को विश्व डाउन सिंड्रोम दिवस मनाया जाएगा। अंतर्राष्ट्रीय डाउन सिन्ड्रोम जागरूकता पखवाडा भी प्रारंभ होगा। इस पखवाड़े के अंतर्गत जनजागरूकता, निदान और उपचार के लिए शिविर सहित अन्य कार्यक्रम होंगे। इंदौर में पखवाड़े के अंतर्गत 26 मार्च को जिला दिव्यांग पुनर्वास केन्द्र समाज कल्याण परिसर परदेशीपुरा इंदौर डीडीआरसी मतक शिविर आयोजित किया जायेगा। यह शिविर लोकल लेवल कमेटी एवं डाउन सिन्ड्रोम फेडरेशन ऑफ इण्डिया के संयुक्त तत्वाधान में होगा। एकेडमी आफ पीडियाट्रिक्स इंदौर के विषय विशेषज्ञ चिकित्सकों के सहयोग से डाउन सिन्ड्रोम बीस्की से ग्रसित बच्चों के लिए हेल्थ केम्प, पालकगणों से चर्चा, समस्या/निदान जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया जायेगा।

अजय सिंह राहुल भैया मंगलवार को सागर आएंगें : कांग्रेस परिवार से मिलकर भरेंगे उनमें ऊर्जा

सागर ● मप्र विधानसभा में पूर्व नेता प्रतिपक्ष एवं चुरहट के विधायक अजय सिंह राहुल भैया मंगलवार को सागर आ रहे हैं। वे यहां आकर कांग्रेस पदाधिकारी कार्यकर्ताओं एवं परिवार जनों से मुलाकात कर उनमें ऊर्जा भरने का काम करेंगे। पार्टी के संगठन सृजन अभियान के अंतर्गत बूथ स्तर तक कमेटियों के गठन की प्रक्रिया के दौरान उनका आगमन महत्वपूर्ण माना जा रहा है। अजय सिंह मंगलवार को सुबह टीकमगढ़ से प्रस्थान कर शाहगढ़ पहुंचेंगे। यहां जिले में उनके प्रवेश पर जिला ग्रामीण कांग्रेस अध्यक्ष भूपेंद्र सिंह मुहासा द्वारा ब्लॉक कांग्रेस कमेटी शाहगढ़ के तत्वाधान में उनकी भव्य अगवानी की जाएगी।

यातायात नियम केवल अनुशासन नहीं, जीवन-रक्षा के 'संस्कार' हैं

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● 'सड़क दुर्घटनाएं आज किसी वैश्विक महामारी से भी अधिक घातक सिद्ध हो रही हैं। जिस तरह हम बच्चों को नैतिकता और धर्म के संस्कार देते हैं, उसी तरह हर घर में 'यातायात सुरक्षा' को एक अनिवार्य पारिवारिक संस्कार के रूप में अपनाना होगा। जब तक नियमों के प्रति सम्मान का भाव हमारे ड्राइंग रूम तक नहीं पहुँचेगा, तब तक सुरक्षित सड़कों का स्वप्न अधूरा रहेगा।'

यह आह्वान प्रसिद्ध यातायात प्रबंधन विशेषज्ञ और 'अरे ओ भिया' अभियान के प्रणेता राजकुमार जैन ने किया। वे जैन सोशल ग्रुप 'प्रोफेशनल यूनिटी' द्वारा आयोजित विशेष संवाद कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में संबोधित कर

रहे थे। पुलिस पुरस्कार से सम्मानित जैन ने आंकड़ों के माध्यम से समस्या की विकटता बताते हुए कहा कि विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) की 2023 की रिपोर्ट के अनुसार दुनिया भर में प्रति वर्ष लगभग 12 लाख लोग सड़क हादसों में जान गंवाते हैं। भारत में यह स्थिति और भी चिंताजनक है, जहाँ सालाना 1.80 लाख से अधिक मौतें (लगभग 20 मौत प्रति घंटा) हो रही हैं।

सांध्य दैनिक
इंदौर संकेत
आपकी बात, इंदौर संकेत के साथ

डिजिटल रूप से लाखों पाठकों के साथ अपना नियमित संपर्क बनाते हुए दैनिक इंदौर संकेत अब एक नई ऊंचाइयों को छू रहा है। आप भी अपने संस्थान, उत्पाद, संस्था का प्रचार-प्रसार दैनिक इंदौर संकेत के माध्यम से सकते हैं। इसके तहत आप चाहे प्रापर्टी व्यवसाय से जुड़े हैं या कोई बधाई संदेश देना है या जन्मदिन की शुभकामनाएं हो या कोई अन्य कैटेगरी में विज्ञापन देना चाहते हैं तो न्यूनतम दर पर प्रकाशित करने के लिए संपर्क कर सकते हैं। दैनिक इंदौर संकेत संवेदनापूर्ण संदेशों को लेकर अत्यंत संवेदनशील है। इसीलिए इस समाचार पत्र में शोक संदेश नि:शुल्क प्रकाशित किए जाएंगे।

कार्यालय का पता
5/6, राज मोहल्ला, महेश नगर,
गुरुद्वारे के सामने, इंदौर
संपर्क: 94250-64357, 94245-83000

सम्पादकीय

तेल ठिकानों पर हमले से भड़की जंग की आग, पश्चिम एशिया संकट गहराने की आशंका

संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंतोनियो गुतारेस ईरान पर अमेरिका-इजरायल के हमले की निंदा कर चुके हैं। रूस भी कह चुका है कि हम जिस अंतरराष्ट्रीय कानून की बात करते हैं, वह लगभग खत्म हो चुका है। ईरान के खिलाफ अमेरिका और इजराइल के हमले शुरू होने के बाद युद्ध में अब जो तौर-तरीके अपनाए जाने की खबरें आ रही हैं, उससे यह चिंता गहराने लगी है कि इसका असर किस रूप में सामने आएगा। हैरानी की बात यह है कि दुनिया भर में परमाणु या व्यापक विनाश के हथियारों और अन्य मसलों की अपनी सुविधा के मुताबिक व्याख्या करने वाला अमेरिका खुद कई बार सारे तकाजों के खिलाफ जाकर अंतरराष्ट्रीय कानूनों के प्रति भी उपेक्षा भाव प्रदर्शित करता है। पश्चिम एशिया में जारी युद्ध में दोनों पक्षों की ओर से एक-दूसरे पर मिसाइल दागे जा रहे हैं और व्यापक पैमाने पर जानमाल की क्षति हो रही है, लेकिन अमेरिका और इजराइल के साझा हमले में कई ऐसे ठिकानों पर भी बमबारी की गई, जिसके पर्यावरणीय और मानवीयता पर असर को लेकर दुनिया भर में सवाल उठे हैं। मसलन, प्रतिद्वंद्विता के क्रम में या ईरान को झुकाने के लक्ष्य से वहां एक स्कूल पर हमले के अलावा कई शहरों में तेल ठिकानों पर मिसाइल दागे गए। उससे बाद वहां जैसे हालात पैदा हो रहे हैं, उसका असर दीर्घकालिक होगा और इसकी मार सिर्फ आम लोगों को झेलनी होगी। एक ओर विश्व भर में यह उम्मीद की जा रही है कि इस युद्ध की वजह से तेल और गैस के साथ-साथ अन्य कई मोर्चों पर व्यापक संकट गहराने के मद्देनजर शांति की राह खोजी जाएगी, दूसरी ओर खबर यह आई कि अमेरिका ने शनिवार को ईरान के खर्ग द्वीप पर हमला करके मसले को और जटिल स्वरूप दे दिया। हालांकि अमेरिका का कहना है कि उसने केवल सैन्य ठिकानों पर हमला किया और तेल ढांचों को निशाना नहीं बनाया। मगर खर्ग द्वीप को जिस तरह ईरान के सबसे बड़े तेल भंडार और नब्बे फीसद कच्चे तेल के निर्यात के केंद्र के रूप में जाना जाता है, उसमें कहना कठिन है कि हमलों का असर सीमित होगा। अगर हमलों की जद में तेल भंडार भी आए, तो उसके नतीजों की कल्पना की जा सकती है। फिर इस पर ईरान की प्रतिक्रिया क्या होगी, खाड़ी देशों में स्थित तेल रिफाइनरियों पर कैसा खतरा पैदा होगा, कहना मुश्किल है।

संघर्ष और अस्थिरता के दौर में भरोसे का केंद्र बनता भारत

विश्व संकट के बीच उभरती भारत की निर्णायक भूमिका

मध्य पूर्व की उथल-पुथल में संतुलन की नीति पर अडिग भारत

मध्य पूर्व में भड़का संघर्ष अब केवल क्षेत्रीय नहीं, बल्कि वैश्विक व्यवस्था को प्रभावित करने वाला संकट बन गया है। अमेरिका-ईरान तनाव, इज़राइल से जुड़ी घटनाएँ और होर्मुज जलडमरूमध्य की अस्थिरता ने व्यापार व ऊर्जा आपूर्ति पर खतरा बढ़ाया है। ऐसे समय में भारत ने संतुलित और दूरदर्शी विदेश नीति का परिचय दिया। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत ने ब्रिक्स जैसे मंच को सक्रिय कर सदस्य देशों के बीच संवाद को बढ़ावा दिया। भारत ने स्पष्ट किया कि युद्ध नहीं, बल्कि शांति, कूटनीति और सामूहिक प्रयास ही वैश्विक स्थिरता का आधार हैं। इसी कारण इस संकट में भारत एक जिम्मेदार और संतुलित शक्ति के रूप में उभरा है।

ब्रिक्स की अध्यक्षता संभालते ही मोदी सरकार ने संगठन में नई ऊर्जा भरने का प्रयास किया। 'सहयोग, नवाचार और स्थिरता के माध्यम से लचीले भविष्य का निर्माण' की सोच के साथ भारत ने ब्रिक्स को केवल आर्थिक मंच नहीं, बल्कि वैश्विक समस्याओं के समाधान का माध्यम बनाने की दिशा में कदम बढ़ाया। इस नीति का केंद्र विकासशील देशों की आवाज को विश्व राजनीति में उचित स्थान दिलाना रहा। भारत ने यह भी दिखाया कि जी20 की कूटनीतिक सफलता को ब्रिक्स में भी आगे बढ़ाया जा सकता है। मतभेदों के बावजूद भारत ने संवाद जारी रखा और संगठन में विभाजन को कम करने का प्रयास किया, हालाँकि पूर्ण सहमति बनाना चुनौतीपूर्ण रहा। यह नेतृत्व भारत की बढ़ती वैश्विक प्रतिष्ठा को दर्शाता है।

संकट की घड़ी में भारत की कूटनीति का प्रमुख पहलू यह रहा कि उसने सभी ब्रिक्स देशों को एक साझा मंच पर लाने का प्रयास किया। बारह मार्च की वर्चुअल बैठक में भारत ने सदस्य देशों के बीच खुले और रचनात्मक संवाद को प्रोत्साहित किया। 'शेरपा तंत्र' के माध्यम से लगातार बातचीत जारी रही, ताकि मतभेदों के बीच भी सहमति का मार्ग निकल सके। भारत का दृष्टिकोण स्पष्ट था—किसी पक्ष का समर्थन करने के बजाय शांति और स्थिरता के लिए सामूहिक प्रयास हों। इस पहल ने ब्रिक्स को केवल औपचारिक संगठन नहीं, बल्कि एक सक्रिय वैश्विक मंच के रूप में उभारने में मदद की और यह भारत की स्वतंत्र, संतुलित विदेश नीति का प्रमाण भी है।

बढ़ते क्षेत्रीय तनाव के बीच प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने व्यक्तिगत स्तर पर भी सक्रिय कूटनीति का परिचय दिया। उन्होंने ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेज़ेश्कियान से टेलीफोन पर बातचीत कर स्थिति पर गहरी चिंता व्यक्त की। वार्ता में नागरिकों की सुरक्षा, बुनियादी ढांचे की रक्षा और संघर्ष को फैलने से रोकने की आवश्यकता पर विशेष जोर दिया गया। भारत ने स्पष्ट किया कि संवाद और कूटनीति ही स्थायी समाधान का मार्ग है। साथ ही अमेरिका और इज़राइल जैसे देशों के साथ संबंधों का संतुलन भी बनाए रखा गया। यह बहुआयामी कूटनीति भारत की रणनीतिक परिपक्वता को दर्शाती है, जिसमें राष्ट्रीय हित, ऊर्जा सुरक्षा और वैश्विक स्थिरता तीनों को समान महत्व दिया गया है।

ब्रिक्स के भीतर स्थिति इसलिए भी जटिल थी क्योंकि कई सदस्य देश सीधे मध्य पूर्व की राजनीति से जुड़े हैं। ईरान, सऊदी अरब और संयुक्त अरब अमीरात जैसे देशों के अपने क्षेत्रीय हित हैं, जिनसे मतभेद स्वाभाविक हैं। इसके बावजूद भारत ने संयम और धैर्य के साथ संवाद को आगे बढ़ाया। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रंधीर जायसवाल ने कहा कि भारत लगातार सदस्य देशों के संपर्क में है और सहमति का मार्ग तलाश रहा है और कुछ सदस्यों के सीधे शामिल होने से सहमति बनाना चुनौतीपूर्ण है। भारत ने चीन और रूस जैसे प्रमुख देशों के साथ भी समन्वय बनाए रखा। इन प्रयासों ने ब्रिक्स की विश्वसनीयता को मजबूत किया और यह संदेश दिया कि विकासशील देशों का यह समूह वैश्विक मुद्दों पर प्रभावी भूमिका निभा सकता है।

ऊर्जा सुरक्षा के मोर्चे पर भी मोदी सरकार ने अत्यंत दूरदर्शी कदम उठाए। मध्य पूर्व में बढ़ते तनाव के कारण होर्मुज जलडमरूमध्य के आसपास स्थिति संवेदनशील हो गई थी, जिससे वैश्विक तेल आपूर्ति प्रभावित होने की आशंका थी। भारत ने कूटनीतिक माध्यमों से अपने तेल टैंकरों और ऊर्जा आपूर्ति को सुरक्षित रखने के लिए सक्रिय प्रयास किए। इसके साथ ही सरकार ने वैकल्पिक ऊर्जा स्रोतों, घरेलू गैस आपूर्ति और दीर्घकालिक ऊर्जा समझौतों पर भी ध्यान दिया। इन कदमों का परिणाम यह रहा कि वैश्विक संकट के बावजूद भारत में ऊर्जा आपूर्ति काफी हद तक स्थिर बनी रही, हालाँकि वैश्विक कीमतों में वृद्धि का असर पड़ा। यह दिखाता है कि भारत की विदेश नीति केवल कूटनीतिक बयान तक सीमित नहीं है, बल्कि सीधे तौर पर राष्ट्रीय अर्थव्यवस्था और जनता के हितों से जुड़ी हुई है।

वैश्विक संतुलन और सहयोग को नई दिशा देने की सोच के साथ मोदी सरकार की विदेश नीति ने बहुपक्षीय साझेदारी को प्रमुख प्राथमिकता बनाया है। ब्रिक्स के माध्यम से भारत ने स्पष्ट किया कि वैश्विक समस्याओं का समाधान केवल सामूहिक प्रयासों से ही संभव है। विकासशील देशों की आवाज को अंतरराष्ट्रीय मंचों पर सशक्त बनाने के लिए भारत निरंतर सक्रिय रहा है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कई बार कहा है कि विश्व व्यवस्था को अधिक संतुलित और न्यायपूर्ण बनाना समय की मांग है। यही नीति भारत को वैश्विक दक्षिण के देशों के लिए एक भरोसेमंद नेतृत्वकारी शक्ति बनाती है, और ब्रिक्स में उसकी सक्रिय भूमिका इसी व्यापक दृष्टि का परिणाम है।

संकटों से घिरे मध्य पूर्व के परिदृश्य में भारत की सक्रिय कूटनीति ने यह स्पष्ट संकेत दिया है कि देश अब वैश्विक राजनीति में निर्णायक भूमिका निभाने की क्षमता और आत्मविश्वास दोनों रखता है। ब्रिक्स के भीतर एकजुटता स्थापित करने की पहल ने न केवल संगठन की प्रासंगिकता को सुदृढ़ किया, बल्कि भारत की विदेश नीति की परिपक्वता और संतुलित दृष्टि को भी उजागर किया। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में उठाए गए इन प्रभावी कदमों ने भारत को एक जिम्मेदार, विवेकपूर्ण और दूरदर्शी शक्ति के रूप में स्थापित किया है। आने वाले समय में यही कूटनीतिक दृष्टिकोण वैश्विक शांति, सहयोग और विकास के लिए एक मजबूत आधार सिद्ध हो सकता है और भारत की बढ़ती अंतरराष्ट्रीय प्रतिष्ठा को और अधिक सुदृढ़ करेगा।

प्रो. आरके जैन 'अरिजीत'
बड़वानी (मप्र)

आंचलिक

किसान आंदोलन की चेतावनी पर भीकनगांव प्रशासन सक्रिय

दैनिक इंदौर संकेत

खरगोन ● जिले के भीकनगांव में भारतीय किसान संघ के 15 अगस्त से प्रस्तावित आंदोलन से पहले प्रशासन सक्रिय हुआ है। रविवार दोपहर एसडीएम लोकेश छपरे ने बिंजलवाड़ा परियोजना की निर्माण एजेंसी के साथ बैठक की। इस दौरान एजेंसी ने सुल्तानपुर तालाब में अगले चार दिन में पानी छोड़ने का दावा किया। बैठक में निर्माण एजेंसी ने बताया कि सिंचाई परियोजना को तेजी से पूरा करने के लिए 40 अतिरिक्त जेसीबी मशीनें लगाई जाएंगी। जीपीवीआर कंपनी के सहायक डायरेक्टर प्रवीण सिंग ने जानकारी दी कि 19 मार्च तक सुल्तानपुर तालाब में पानी छोड़ दिया जाएगा। उन्होंने यह भी बताया कि अगले 10 दिनों में 40 जेसीबी बढ़ाई जाएंगी और पंप हाउस नंबर 2 की टेस्टिंग की जाएगी। पंप हाउस 5 से बैलेंसिंग रिजर्वायर 14 का काम 30 मार्च तक पूरा कर लिया जाएगा, जिससे सुंद्रेल भातलपुरा तक पानी पहुंचाया जा सकेगा। इस बैठक में श्यामसिंह पवार, मुकेश पटेल, राधेश्याम पटेल, दादूसिंह चौहान सहित कई किसान प्रतिनिधि मौजूद थे। भारतीय किसान संघ के नितेश सिंह मौर्य ने चेतावनी दी कि यदि कार्य में अपेक्षित गति नहीं आई, तो आंदोलन किया जाएगा। कार्य की समीक्षा के लिए 1 अप्रैल को फिर से बैठक बुलाई जाएगी। किसान संघ ने एसडीएम को पांच सूत्रीय मांगों का ज्ञापन भी सौंपा था।

गैंगरेप केस में यू-टर्न, चार नहीं एक आरोपी निकला, 90 साल की पीड़िता ने चार लोगों पर लगाए थे आरोप

दैनिक इंदौर संकेत

खंडवा ● पुनासा क्षेत्र में एक 90 साल की वृद्धा के साथ हुए गैंगरेप मामले में नया मोड़ आया हैं। पुलिस ने एक व्यक्ति को आरोपी बनाया है और दावा किया कि वारदात में चार नहीं बल्कि एक ही आरोपी था। जिसे गिरफ्तार कर कोर्ट में पेश किया और वहां से जेल भेज दिया गया हैं। पीड़िता ने अपने बयान में 4 अज्ञात लोगों के नाम बताए थे और इसी आधार पर पुलिस जांच कर रही थी। 6 मार्च को पीड़िता ने नर्मदानगर में शिकायत दर्ज कराई थी कि होली की रात अज्ञात बदमाश मुंह बांधकर उसके घर में घुस आए और उसके साथ दुष्कर्म कर मारपीट की। पीड़िता ने संदेह के आधार पर अपने समाज के गणेश पिता चिंताराम मांडरे, निवासी पुनासा का नाम बताया था। शिकायत के आधार पर पुलिस ने केस दर्ज कर मामले की जांच शुरू की।

होटल मालिक, मैनेजर पर केस, छापामार कार्रवाई में 27 सिलेंडर जब्त

दैनिक इंदौर संकेत

खंडवा ● सिविल लाइन क्षेत्र में स्थित होटल पर प्रशासन ने छापामार कार्रवाई करते हुए अवैध रूप से रखे गए 27 एलपीजी गैस सिलेंडर जब्त किए हैं। जब्त सिलेंडरों की कुल कीमत एक लाख 71 हजार रुपए बताई गई है। मामले में होटल मैनेजर व मालिक पर आवश्यक वस्तु अधिनियम के तहत केस दर्ज कर लिया गया हैं। छापामार कार्रवाई के दौरान प्रशासन को होटल परिसर में भारत गैस कंपनी के 47.5 किलोग्राम क्षमता के 21 कमर्शियल सिलेंडर, 19 किलोग्राम क्षमता के 10 कमर्शियल सिलेंडर और एचपी गैस कंपनी के 4 कमर्शियल सिलेंडर मिले। टीम ने मौके पर मौजूद प्रबंधक दीपक अरझरे से गैस कनेक्शन से संबंधित दस्तावेज मांगे, लेकिन जांच में कई सिलेंडर बिना वैध कनेक्शन के पाए गए। जिला प्रशासन के मुताबिक, दस्तावेजों के मिलान में भारत गैस के 47.5 किलोग्राम क्षमता के 9 भरे और 6 खाली सिलेंडर, 19 किलोग्राम क्षमता के 4 भरे और 4 खाली सिलेंडर व एचपी कंपनी के 4 खाली सिलेंडर बिना वैध दस्तावेज के मिले। कुल

27 सिलेंडर अवैध रूप से रखे पाए गए, जिन्हें मौके पर ही जब्त कर लिया गया। इस दौरान आईएएस डॉ. श्रीकृष्ण सुशीर, आईपीएस अमित कुमार, सिटी मजिस्ट्रेट बजरंग बहादुर सिंह सहित अन्य अधिकारी मौजूद थे।

27 किलोमीटर दूर एजेंसी के हवाले किए

प्रशासन ने जब्त सिलेंडरों को शुभांशी भारत गैस एजेंसी पिपलोदखास को सुरक्षित रखने के लिए सुपुर्द किए हैं। यह शहर से 27 किलोमीटर दूर हैं। सवाल उठ रहे हैं कि, जब्त गैस सिलेंडर की सुपुर्दगी इतनी दूर क्यों? इधर, होटल मैनेजर दीपक अरझरे और मालिक अनिल जैन के खिलाफ द्रवीकृत पेट्रोलियम गैस प्रदाय वितरण विनियमन आदेश, आवश्यक वस्तु अधिनियम के तहत प्रकरण दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी गई हैं।

इंदौर-खंडवा रेल लाइन को पर्यावरण मंत्रालय की मंजूरी, 454 हेक्टेयर वनभूमि पर बनेगी ब्रॉडगेज लाइन

दैनिक इंदौर संकेत

खंडवा ● इंदौर-खंडवा के बीच बनने वाली नई ब्रॉडगेज रेल लाइन के लिए पर्यावरण और वन मंत्रालय से प्रारंभिक अनुमति मिल गई है। इससे लंबे समय से अटकी परियोजना का रास्ता साफ हो गया है और जल्द ही निर्माण कार्य शुरू होने की उम्मीद है। परियोजना के तहत 454 हेक्टेयर वनभूमि पर रेल लाइन बिछेगी और करीब 20 किमी क्षेत्र में 16 सुरंगें भी बनाई जाएंगी। यह रेल परियोजना इंदौर सहित पूरे मालवा और निमाड़ क्षेत्र के विकास के लिए अहम मानी जा रही है। परियोजना के तहत 10 मार्च 2026 से 9 जून 2026 तक निर्माण कार्य शुरू करने की अस्थायी अनुमति दी गई है। सांसद शंकर लालवानी ने बताया कि वन भूमि उपयोग से जुड़ी आवश्यक सैद्धांतिक स्वीकृति मिल चुकी है, जिससे काम को तेजी से आगे बढ़ाया जा सकेगा।

परियोजना के लिए करीब 454 हेक्टेयर वनभूमि का उपयोग किया जाएगा। रेल लाइन बिछाने से पहले लगभग 1 लाख 34 हजार पेड़ों की कटाई की जाएगी। कुल 1 लाख 51 हजार पेड़ों को चिह्नित किया गया था, जिनमें से करीब 17 हजार पेड़ों को सुरक्षित रखने का निर्णय लिया गया है।

पुरानी रेल लाइन हटाने पर भी विचार

अक्टूबर 2025 में इंदौर वनमंडल ने इस परियोजना से जुड़ी फाइल भोपाल मुख्यालय भेजी थी। इसके बाद रीजनल इन्वायरमेंट कमेटी (आरईसी) ने रेलवे से यह भी पूछा है कि यदि पुरानी रेल लाइन आगे उपयोग में नहीं आएगी तो उसे हटाकर जमीन वन विभाग को वापस सौंप दी जाए। साथ ही रेलवे को ग्रीन रेलवे कॉरिडोर प्रबंधन योजना तैयार करने के निर्देश भी दिए गए हैं।

19 से 27 मार्च तक वाघेश्वरी ग्रामोदय मेला, चैत्र नवरात्रि पर होंगे धार्मिक-सांस्कृतिक कार्यक्रम

दैनिक इंदौर संकेत

बुरहानपुर ● चैत्र नवरात्रि के अवसर पर ग्राम धामनगांव स्थित मां वाघेश्वरी मंदिर परिसर में मां वाघेश्वरी ग्रामोदय मेले का आयोजन किया जाएगा। यह मेला 19 मार्च, गुरुवार से शुरू होकर 27 मार्च, शुक्रवार तक चलेगा। शनिवार को विधायक व पूर्व कैबिनेट मंत्री अर्चना चिटनिस की अध्यक्षता में हुई बैठक में मेले की तैयारियों और कार्यक्रमों की रूपरेखा तय की गई। चिटनिस ने बताया कि इस मेले में धार्मिक आस्था, संस्कृति, ग्रामीण परंपरा और मनोरंजन का अनूठा संगम देखने को मिलेगा। नौ दिनों तक विभिन्न धार्मिक व सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। दिन के समय किसानों के लिए कृषि से संबंधित कार्यक्रम भी होंगे। मां वाघेश्वरी ग्रामोदय मेले का शुभारंभ 19 मार्च, को एक भव्य दिंडी पदयात्रा के साथ होगा। यह पदयात्रा ग्राम बंभाड़ा स्थित दुर्गा माता मंदिर से शुरू होकर मां वाघेश्वरी मंदिर, ग्राम धामनगांव पहुंचेगी। इस पदयात्रा में कीर्तनकार, भजन मंडलियां, वारकरी दिंडी मंडल और बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल होंगे। मेले के दौरान विभिन्न धार्मिक और सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। 20 मार्च, शुक्रवार को संदीप पाल महाराज 'नव खंजरी के फूल'

कॉमेडी कीर्तन प्रस्तुत करेंगे। 21 मार्च, शनिवार को बुरहानपुर कला कौशल द्वारा व्यायामशालाओं का प्रदर्शन किया जाएगा। 22 मार्च, रविवार को पारंपरिक कांटा-कुश्ती का विशाल आम दंगल आयोजित होगा।

23 मार्च, सोमवार को नागपुर के चंद्रमुखी लावणी डांस ग्रुप द्वारा मराठी रंगारंग कार्यक्रमों की प्रस्तुति दी जाएगी। 24 मार्च, मंगलवार को बाबा खाटू श्याम जी का भव्य दरबार सजेगा और भजन संध्या आयोजित होगी। 25 मार्च, बुधवार को इंडियन आइडल फेम गायक राहुल भक्ति गीतों की प्रस्तुति देंगे। 26 मार्च, गुरुवार को शेखर निरंजन भाखरे (सिल्लौड) द्वारा भारुंड रंग की प्रस्तुति होगी। मेले का समापन 27 मार्च, शुक्रवार को अरुण मनी लख्खा की सांस्कृतिक प्रस्तुति के साथ होगा।

ओंकारेश्वर नगर परिषद स्टाफ के साथ मारपीट, अतिक्रमण हटाने के दौरान सीएमओ

दैनिक इंदौर संकेत

खंडवा ● ओंकारेश्वर में अतिक्रमण हटाने के दौरान विवाद का मामला सामने आया हैं। नगर परिषद स्टाफ के साथ ठेला व्यवसायी महिला और उसके दो बेटों ने मारपीट की। मामले में पुलिस ने तीनों के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है। घटना गुरूवार देर शाम की बताई जा रही है। पुलिस के अनुसार, विवाद ऐश्वर्या होटल के पास हुआ है।

मांधाता पुलिस के मुताबिक, मामले में नगर परिषद के राजस्व निरीक्षक नीरज रावत ने शिकायत की। इस शिकायत के आधार पर ब्रह्मपुरी क्षेत्र निवासी रेखाबाई, विक्रम व राजेंद्र के खिलाफ शासकीय कार्य में बाधा उत्पन्न करने, मारपीट और जान से मारने की धमकी देने संबंधी धाराओं में केस दर्ज किया गया है।

शिकायत में राजस्व निरीक्षक नीरज रावत ने बताया कि अतिक्रमण हटाने के दौरान रेखाबाई, विक्रम और राजेंद्र को नींबू पानी का ठेला हटाने के लिए बोला गया था। जिनके द्वारा कार्रवाई में सहयोग करने की अपेक्षा विवाद किया गया।

स्टाफ के साथ गाली-गलौज की गई। कार्रवाई में शामिल सीएमओ मोनिका पारधी, नगर परिषद की कर्मचारी ज्योति व मुस्कान के साथ झूमाझटकी की गई। इधर, टीआई अनोक सिंधिया ने बताया कि, फिलहाल केस दर्ज कर मामले की जांच कर रहे है।

कोई भी टीम संगठन से बड़ी नहीं - जय शाह

मुंबई (एजेंसी) ● अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) के अध्यक्ष जय शाह ने कहा है कि कोई भी देश या टीम संगठन से बड़ी नहीं होती। शाह ने कहा कि कोई एक टीम मिलकर संगठन नहीं बना सकती। सभी टीमों के साथ आने से ही संगठन बनना है, इसलिए किसी को भी वेवजह विवाद खड़े नहीं करने चाहिये। माना जा रहा है कि शाह ने ये टिप्पणी टी20 विश्वकप से पहले बांग्लादेश और पाकिस्तान के विवाद खड़े करने को लेकर की है। बांग्लादेश ने अपने मैच तटस्थ स्थल पर नहीं रखे जाने के कारण विश्वकप का बहिष्कार किया था। वहीं पाक ने भी आईसीसी की फटकार के बाद बहिष्कार का फैसला वापस लिया था। शाह ने कहा है कि आईसीसी सभी सदस्य टीमों के सामूहिक प्रयास से चलता है। उन्होंने कहा, विश्व कप से पहले काफी अटकलें लगाई जा रही थीं कि कुछ टीमें हिस्सा लेंगी या नहीं। आईसीसी अध्यक्ष के तौर पर मैं इतना जरूर कह सकता हूं कि कोई भी टीम संगठन से बड़ी नहीं होती। कोई एक टीम मिलकर संगठन नहीं बनाती, बल्कि सभी टीमों के साथ मिलकर ही संगठन चलता है। शाह ने कहा कि विश्वकप बेहद सफल रहा। इसमें कुल व्यूअरशिप के सभी पुराने रिकॉर्ड टूट गए। इसमें सभी एसोसिएट टीमों ने भी अच्छा प्रदर्शन किया। अमेरिका, नीदरलैंड और नेपाल जैसे टीमों तक ने बड़ी टीमों को कड़ी टक्कर दी।

बीसीसीआई के पूर्व सचिव रहे शाह ने कहा कि विश्वकप विजेता भारतीय टीम को 2028 लॉस एंजिल्स ओलंपिक सहित आने वाले बड़े टूर्नामेंटों को ध्यान में रखते हुए अभी से मेहनत करनी चाहिये। विश्व कप से पहले बांग्लादेश क्रिकेट टीम ने भारत आने से इनकार कर दिया था। इसके बाद आईसीसी ने बांग्लादेश की जगह स्कॉटलैंड को शामिल किया था। पाकिस्तान ने इसके बाद बांग्लादेश के समर्थन में विश्व कप के बहिष्कार की धमकी दी थी। पाकिस्तान ने पहले पूरे टूर्नामेंट के बहिष्कार की बात कही, फिर भारत के साथ ग्रुप स्टेज का मुकाबला न खेलने की बात कही पर आईसीसी के कड़े रुख के बाद उसे अपना फैसला बदलना पड़ा था। पाक टीम सुपर-8 से ही बाहर हो गयी थी।

टी-20 वर्ल्ड में शतक से चूकने पर संजू सैमसन ने कबूला सच

नई दिल्ली (एजेंसी) ● संजू सैमसन ने टी-20 वर्ल्ड कप 2026 में गरदा उडया। उन्होंने तूफानी बल्लेबाज के जरिए भारत की खिताबी जीत में अहम योगदान दिया। सैमसन के बल्ले से सिर्फ पांच मैचों में 321 रन निकले, जिसमें 199.37 का स्ट्राइक रेट रहा। वह टूर्नामेंट में भारत की ओर से सबसे ज्यादा रन बनाने वाले भारतीय प्लेयर रहे। उनके पास तीन बार शतक लगाने का मौका था। हालांकि, सैमसन ने व्यक्तिगत उपलब्धि की चिंता नहीं की। उन्होंने वेस्टइंडीज के खिलाफ करो या मरो सुपर-8 मैच में नाबाद 97 रनों की पारी खेली, जबकि इंग्लैंड के खिलाफ सेमीफाइनल में 89 रन बनाए। उन्होंने न्यूजीलैंड के विरुद्ध फाइनल में 89 रन का योगदान दिया। प्लेयर ऑफ ट टूर्नामेंट चुने गए सैमसन ने टी-20 वर्ल्ड कप के बाद एक सच कबूला है। उन्होंने कहा कि मन में शतक का विचार आया था, लेकिन टीम से बढक़र कुछ नहीं। सैमसन ने कहा कि इसी वजह से शतक का मूड बदला गया। सैमसन ने कहा, अपने तीन शतकों का सोचूं, जिनके बारे में लोग कहते हैं कि मैं चूक गया। मुझे लगता है नहीं यार, उससे बहुत बड़ा काम हुआ है। मैंने सच में बहुत अच्छा योगदान दिया। मुझे ऐसा ही लगता है। डेफिनेटली मैं ऐसे नहीं बोलूंगा कि मैंने 100 के बारे में सोचा ही नहीं। बतौर इनसान आ ही जाता है कि नहीं यार, एक 100 लग जाए, मजा आ जाएगा। हां, इसके बारे में सोचा था। विचार आया और फिर मैंने खुद से कहा, यार, तेरे रन अभी तक कैसे बने हैं? जब खेलना शुरू किया, तो 100 के बारे में नहीं सोचा था। इसलिए मैंने उस प्रोसेस का सम्मान किया, जो मुझे रन दे रहा था और मैं बस प्लान पर टिका रहा। विकेटकीपर ने आगे कहा, 80-90 कुछ भी हो बस प्रोसेस पर फोकस रखना है। और प्रोसेस में है कि टीम पहले है। इसलिए हर फैसला लिया गया कि भाई, अभी टीम को क्या चाहिए।

पूर्व क्रिकेटर अकीब ने बुमराह पर तंज कसा, उस्मान तारिक से की तुलना

लाहौर (एजेंसी) ● भारतीय टीम के मुख्य तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह को जहां अभी के समय में विश्व के सर्वश्रेष्ठ गेंदबाजों में शामिल किया जाता है। वहीं पाकिस्तान के पूर्व क्रिकेटर और चयनकर्ता अकीब जावेद ने बुमराह का मजाक उड़ाया है। अकीब के अनुसार बुमराह पाक के स्पिनर उस्मान तारिक जैसे गेंदबाज हैं। अकीब ने बुमराह को तेज गेंदबाजों का उस्मान तारिक बताया है। इससे पता चलता है कि अकीब बुमराह को मिल सफलतों से जलते हैं। बुमराह विश्वकप में सबसे अधिक विकेट लेने वाले गेंदबाजों में शामिल रहे हैं। उनके नाम 500 अंतरराष्ट्रीय विकेट हैं। पिछले कई दिनों से बुमराह छाये हुए हैं। इससे आकिब खुश नहीं है। इसी कारण उन्होंने बुमराह की तुलना उस्मान तारिक जैसे नये गेंदबाज से की है। इससे प्रशंस भी हैरान है क्योंकि तारीक ने अभी अभी अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट खेलना शुरू ही किया है जबकि बुमराह पिछले 10 सालों से अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट खेल रहे हैं। वहीं अकीब का कहना है उनकी लक्ष्य बुमराह का मजाक उड़ाना नहीं था। जावेद ने कहा, 'आज के दौर में, पूरे विश्व कप में बुमराह ही अलग तरह का गेंदाबाज था। मैं हमेशा कहता हूं कि वह तेज गेंदबाजो का उस्मान तारिक है. वह इतनी तेज और अनोखे अंदाज में गेंदबाजी करता है कि बल्लेबाज कभी भी उसके खिलाफ लय नहीं पकड़ पाते हैं।

'गोलमाल 5' में शरमन जोशी की वापसी

मुंबई (एजेंसी) ● अभिनेता शरमन जोशी आधिकारिक तौर पर गोलमाल 5 की कास्ट में शामिल हो गए हैं। यह घोषणा शरमन जोशी ने फिल्ममेकर रोहित शेट्टी को उनके जन्मदिन की शुभकामनाएं देते हुए की, जिसने सोशल मीडिया पर तुरंत हलचल मचा दी।अपने पोस्ट में शरमन ने पुष्टि की कि वह इस बहुप्रतीक्षित फिल्म का हिस्सा हैं, जो फ्रेंचाइज़ के फैंस के लिए एक तरह से पूर्ण चक्र जैसा पल है। शरमन ने एक मज़ेदार झलक साझा करते हुए लिखा, 'जन्मदिन मुबारक रोहित! आपको एक और साल की ढेरों शुभकामनाएं, और भी बड़े स्टंट, ज़ोरदार हँसी और ब्लॉकबस्टर मनोरंजन के साथ। उत्साहित हूं कि गोलमाल 5 की मस्ती शुरू हो चुकी है और फिल्म की शूटिंग शुरू हो चुकी है।' शरमन जोशी 2006 में रिलीज़ हुई गोलमाल: फन अनलिमिटेड का अहम हिस्सा थे, जहाँ उन्होंने 'लक्ष्मण' के किरदार को निभाया था। उनका यह अजीबोगरीब लेकिन प्यारा किरदार फिल्म के सबसे यादगार किरदारों में से एक बन गया था। उनकी शानदार कॉमिक टाइमिंग और अजय देवगन के साथ उनकी केमिस्ट्री को दर्शकों ने खूब पसंद किया था। करीब दो दशक बाद इस फ्रेंचाइज़ में शरमन की वापसी ने दर्शकों के बीच उत्साह और बढ़ा दिया है। सोशल मीडिया पर फैंस पहले से ही उस पुराने 'गोलमाल' वाले पागलपन के वापस आने का जश्न मना रहे हैं।

कलाकारों की निजी जिंदगी को मुद्दा बनाना सही नहीं: खुशबू सुंदर

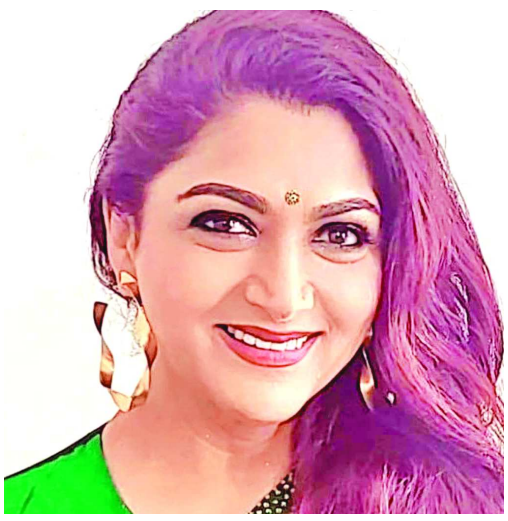

मुंबई (एजेंसी) ● अभिनेता विजय और अभिनेत्री तृषा कृष्णन को लेकर अभिनेत्री और राजनेता खुशबू सुंदर ने अपनी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा कि किसी भी कलाकार की निजी जिंदगी को लेकर इस तरह का हंगामा करना ठीक नहीं है। उनका मानना है कि हर व्यक्ति की अपनी निजी जिंदगी होती है और जब तक उस निजी जीवन से समाज या आम लोगों पर कोई नकारात्मक प्रभाव नहीं पड़ता, तब तक उसे विवाद का विषय नहीं बनाना चाहिए। एक बातचीत के दौरान खुशबू सुंदर से पूछा गया कि तमिलनाडु में इस समय चुनावी माहौल बन रहा है और इसी बीच विजय को तृषा कृष्णन के साथ एक कार्यक्रम में देखा गया है। ऐसे में क्या इस घटना का राजनीति या जनता की सोच पर कोई असर पड़ सकता है। इस सवाल के जवाब में उन्होंने कहा कि उन्हें समझ नहीं आता कि लोगों को इस तरह की निजी बातों में इतनी दिलचस्पी क्यों होती है। उनके मुताबिक यह दोनों कलाकारों की निजी जिंदगी से जुड़ा मामला है और इसका आम लोगों से कोई सीधा संबंध नहीं है।

उज्जैन संभाग

सिंहस्थ-के लिए इंदौर में बनेंगे अस्थायी सैटेलाइट टाउन, उज्जैन में भीड़ बढ़ने पर श्रद्धालुओं को शहर से पहले रोका जाएगा

दैनिक इंदौर संकेत

उज्जैन ●सिंहस्थ-2028 को देखते हुए इंदौर पुलिस ने भीड़ प्रबंधन की तैयारी शुरू कर दी है। पुलिस ने योजना बनाई है कि उज्जैन में भीड़ बढ़ने पर श्रद्धालुओं को शहर में प्रवेश से पहले इंदौर में ही रोका जाएगा। इसके लिए शहर के बाहरी क्षेत्रों में अस्थायी सैटेलाइट टाउन विकसित किए जाएंगे। पुलिस सूत्रों के अनुसार मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के साथ हुई चर्चा के बाद यह निर्णय लिया गया है। प्रशासन और पुलिस के बीच हुई संयुक्त बैठक में श्रद्धालुओं की बड़ी संख्या को देखते हुए ट्रैफिक और भीड़ नियंत्रण की रणनीति पर चर्चा की गई। पुलिस अधिकारियों के अनुसार सिंहस्थ के दौरान उज्जैन आने वाले श्रद्धालुओं की सबसे ज्यादा आवाजाही इंदौर मार्ग से होने की संभावना है। ऐसे में भीड़ का दबाव कम करने के लिए पहले से व्यवस्था तैयार की जा रही है। प्रस्तावित सैटेलाइट टाउन में श्रद्धालुओं के लिए पार्किंग, पेयजल, भोजन, शौचालय और विश्राम जैसी सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी। इन स्थानों से श्रद्धालुओं को नियंत्रित तरीके से उज्जैन की ओर भेजा जाएगा। पुलिस अधिकारियों के अनुसार शहर के बाहरी इलाकों में ऐसे कई स्थानों का चयन किया गया है, जहां अस्थायी सैटेलाइट टाउन विकसित किए जाएंगे। इससे उज्जैन में अचानक भीड़ का दबाव नहीं बढ़ेगा। एडिशनल पुलिस आयुक्त (मुख्यालय) आर.के. सिंह के अनुसार सिंहस्थ को देखते हुए ट्रैफिक प्रबंधन के लिए पुलिसकर्मियों को विशेष प्रशिक्षण भी दिया जाएगा। शहर में फिलहाल एक ही ट्रैफिक थाना है। सिंहस्थ को ध्यान में रखते हुए तीन नए ट्रैफिक थानों के निर्माण का प्रस्ताव भेजा गया है।

इनमें चंदन नगर क्षेत्र में धार रोड, बाणगंगा में सुपर कॉरिडोर और लसूड़िया में महालक्ष्मी नगर में ट्रैफिक थाना बनाने की योजना है। धार रोड के लिए प्रशासन ने जमीन उपलब्ध कराने का निर्णय लिया है। पुलिस आयुक्त संतोष कुमार सिंह ने तिलक नगर, राऊ और द्वारकापुरी थानों में अतिरिक्त बल बढ़ाने का प्रस्ताव भी पुलिस मुख्यालय को भेजा है। इसके अलावा ट्रैफिक थानों के लिए भी अतिरिक्त पुलिस बल की मांग की जाएगी। सिंहस्थ-2028 में करोड़ों श्रद्धालुओं के उज्जैन पहुंचने की संभावना को देखते हुए इंदौर पुलिस तैयारियों को लेकर योजना बना रही है।

निगम कर्मचारियों से मारपीट, गीला-सूखा कचरा अलग न देने पर हुआ विवाद

दैनिक इंदौर संकेत

उज्जैन ● नगरकोट मोहल्ले में शनिवार सुबह कचरा संग्रहण करने पहुंचे नगर निगम कर्मचारियों से एक व्यक्ति ने विवाद कर मारपीट कर दी। घटना के दौरान आरोपी ने तलवार और लाठी निकालकर हंगामा किया। मारपीट के बाद आरोपी मौके से फरार हो गया। नगर निगम की कचरा गाड़ी रोज की तरह सुबह करीब 7:30 बजे नगरकोट मोहल्ले में पहुंची थी। गाड़ी के ड्राइवर का नाम कलीम और कचरा संग्रहण कर्मचारी का नाम जावेद बताया गया है। इसी दौरान सूखा और गीला कचरा अलग-अलग देने को लेकर विवाद शुरू हो गया। कर्मचारियों के अनुसार मोहल्ले के एक व्यक्ति ने पहले बहस की और फिर मामला बढ़ते-बढ़ते मारपीट तक पहुंच गया। मौके पर मौजूद दरोगा ने समझाइश देने की कोशिश की, लेकिन आरोपी ने तलवार और लाठी निकालकर माहौल और बिगाड़ दिया।

हंगामे की सूचना मिलते ही नगर निगम के कर्मचारी, अधिकारी और पुलिस मौके पर पहुंच गई। इस बीच मारपीट करने वाला आरोपी मौके से फरार हो गया।पुलिस ने आरोपी के घर से एक महिला को पूछताछ के लिए हिरासत में लिया। 112 की गाड़ी से उसे चिमनगंज थाना ले जाया गया, जहां उससे पूछताछ की जा रही है। नगर निगम के नोडल अधिकारी ताराचंद मालवीय ने बताया कि घटना की जानकारी पुलिस को दे दी गई है। कचरा संग्रहण करने वाले कर्मचारियों ने आरोपी के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

उज्जैन-जावरा ग्रीनफील्ड हाईवे सामान्य हाईवे स्वीकृत, किसानों ने सीएम का आभार जताया

दैनिक इंदौर संकेत

उज्जैन ● उज्जैन-जावरा ग्रीनफील्ड परियोजना को नॉर्मल हाईवे के रूप में स्वीकृति मिलने के बाद प्रभावित 62 गांवों के करीब 400 किसान भोपाल पहुंचे। शनिवार देर रात किसानों ने मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव से मुलाकात कर उनका आभार जताया और जमीन अधिग्रहण के लिए वास्तविक बाजार मूल्य के अनुसार मुआवजा देने की मांग दोहराई। मुख्यमंत्री से मुलाकात के दौरान किसानों ने परियोजना से जुड़ी अपनी प्रमुख मांगों पर चर्चा की। मुख्यमंत्री ने उन्हें भरोसा दिलाया कि उनकी मांगों पर सकारात्मक निर्णय लिया जाएगा। किसानों ने बताया कि पहले उज्जैन-जावरा ग्रीनफील्ड परियोजना को एक्सेस कंट्रोल रोड के रूप में बनाया जा रहा था। इससे आसपास के गांवों की कनेक्टिविटी प्रभावित होने की आशंका थी। किसानों की मांग थी कि इसे नॉर्मल हाईवे के रूप में बनाया जाए, ताकि गांवों का आवागमन बना रहे। मुख्यमंत्री द्वारा यह मांग स्वीकार किए जाने के बाद किसानों ने संतोष जताया। किसानों ने दूसरी प्रमुख मांग के रूप में जमीन अधिग्रहण का मुआवजा वास्तविक बाजार मूल्य के अनुसार देने की बात रखी। मुख्यमंत्री ने कहा कि उज्जैन-इंदौर ग्रीनफील्ड रोड की तरह इस परियोजना में भी किसानों को उचित मुआवजा दिया जाएगा। उन्होंने किसानों से भरोसा बनाए रखने की अपील की। किसानों का आरोप है कि जिला प्रशासन द्वारा तय की गई मुआवजा राशि वास्तविक बाजार मूल्य से काफी कम है। उनके अनुसार 2024-25 की गाइडलाइन में जमीन के दामों में केवल लगभग 1700 रुपये प्रति हेक्टेयर से लेकर 5 से 10 हजार रुपये प्रति हेक्टेयर तक की बढ़ोतरी की गई है। किसानों ने बताया कि उज्जैन-इंदौर ग्रीनफील्ड रोड परियोजना में कई गांवों में किसानों को करीब 45 लाख रुपये प्रति बीघा तक मुआवजा दिया गया था। इसके मुकाबले उज्जैन-जावरा ग्रीनफील्ड परियोजना में किसानों को केवल 2 से 4 लाख रुपये प्रति बीघा का प्रस्ताव दिया जा रहा है, जिसे किसान अन्यायपूर्ण बता रहे हैं।

गैस सिलेंडर बुकिंग तीन गुना, पीएनजी वाले भी पहुंचे

दैनिक इंदौर संकेत

उज्जैन ●गैस सिलेंडर आपूर्ति के लिए रविवार को भी जिले की सभी करीब 55 गैस एजेंसियां खुली रहेंगी। प्रशासन ने आदेश जारी किए हैं। दावा है कि रविवार को भी गैस बुकिंग-रिफिल व डिलीवरी का कार्य होगा। इस संबंध में कलेक्टर रौशनकुमार सिंह के निर्देश जारी करने पर जिला आपूर्ति नियंत्रक शालू वर्मा ने सभी सेल्स ऑफिसर को कहा है कि कोई भी एजेंसी रविवार को बंद न रहे। प्रशासन का यह भी मानना है कि रविवार को भी सिलेंडरों की होम डिलीवरी सामान्य दिनों की तरह होने से सोमवार को अत्यधिक बैकलॉग की स्थिति नहीं बनेगी। गैस प्लांट भी रविवार को क्रियाशील रहेंगे। सिलेंडर के लिए ग्राहक पैनिक होने लगे हैं। इसका साइड इफैक्ट यह है कि गैस एजेंसियों पर बुकिंग करीब तीन गुना बढ़ गई है। एलपीजी गैस एसोसिएशन से जुड़े पदाधिकारियों का कहना है कि कई ऐसे उपभोक्ता भी अब सिलेंडर लेने आ रहे हैं, जो कि किसी कारणवश कई दिनों से नहीं आए थे या? फिर जिनके यहां पीएनजी (पाइप्ड नेचुरल गैस) कनेक्शन हैं, वे भी सिलेंडर लेने पहुंच रहे हैं। यही नहीं 25 दिन की डेड लाइन होने के बावजूद कई ग्राहक जबरन ऑनलाइन बुकिंग के प्रयास कर रहे हैं। ऐसे में दबाव बढ़ने पर सर्वर डाउन रहने लगा है। इससे वास्तविक जरूरतमंद ग्राहक परेशान हैं।

शिप्रा किनारे बनेगा रिवर फ्रंट, सिंहस्थ से पहले 10 लाख पौधे लगाकर महाकाल वन की परिकल्पना तैयार होगी

दैनिक इंदौर संकेत

उज्जैन ● मां क्षिप्रा की आरती को वैभव प्रदान करने का कार्य और शिप्रा नदी पर रिवर फ्रंट बनाने सहित शहर में 10 लाख पौधे रोपे जाने को लेकर लेकर नगरीय प्रशासन आयुक्त संकेत भोंडवे की अध्यक्षता और सिंहस्थ मेला अधिकारी आशीष सिंह व कलेक्टर रौशन कुमार सिंह की उपस्थिति में शनिवार सुबह सिंहस्थ मेला कार्यालय में बैठक आयोजित की गई।

बैठक में आयुक्त संकेत भोंडवे ने बताया कि शहर में 10 लाख पौधे लगाकर महाकाल वन की परिकल्पना को पूरा किया जाएगा। साथ ही शिप्रा नदी पर रिवर फ्रंट बनेगा और शिप्रा आरती को दिव्य और व्हिंगम बनाया जाएगा। भारतीय संस्कृति के अनुरूप सिंहस्थ 2028 ग्रीन सिंहस्थ के रूप में आयोजित किया जाएगा। बैठक में ग्रीन सिंहस्थ को मूर्त रूप देने के लिए बनाई गई कार्ययोजना पर चर्चा कर आवश्यक दिशा निर्देश नगर निगम, स्मार्ट सिटी, वन विभाग, उद्यानिकी विभाग और अन्य संबंधित विभागों को दिए गए। बैठक में नगर निगम आयुक्त अभिलाष मिश्रा, जिला पंचायत सीईओ श्रेयांस कूमट अन्य विभागों के अधिकारी उपस्थित रहें।

बैठक में नगरीय प्रशासन आयुक्त भोंडवे ने मुख्यमंत्री डॉ. यादव के निर्देशानुसार शिप्रा रीवरफ्रंट डेवलपमेंट और मां शिप्रा की आरती को वैभव प्रदान करने की कार्ययोजना बनाने के निर्देश दिए। सिंहस्थ 2028 को ग्रीन सिंहस्थ बनाने के लिए बडे स्तर पर पौधारोपण किया जाना प्रस्तावित है, उक्त कार्य को मूर्त देने के लिए मदर नर्सरी विकसित करने, सिंहस्थ 2028 दृष्टिगत निर्माणाधीन मार्गों और जिले के अन्य मार्गों के किनारे और डिवाईडरों पर गुलमोहर, पलाश, टिकोमा, अमलताश, कचनार, आम, अमरूद, बेलपत्र, नीम, पीपल, इमली, शीशम, जामुन आदि किस्मों के फुल, फल और छाया वाले पौधों को श्रद्धलुओं की सुविधा के लिए लगाने के निर्देश दिए।

सड़क किनारे रोपे जाने वाले पौधों और नगर में स्थित उद्यानों को सामाजिक संस्थाओं को गोद देने के निर्देश दिए उज्जैन शहर में परियोजना अंतर्गत नगर निगम सीमा में 10 लाख पौधों का रोपण किया जाएगा। नगर निगम सीमा में 10 लाख पौधों का रोपण किया जाएगा।

न्यूज ब्रीफ

रविवार को भी खुली रहेंगी गैस एजेंसियां, बुकिंग और रिफिल का कार्य जारी रहेगा

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● इंदौर जिले में गैस आपूर्ति व्यवस्था को सुचारू बनाए रखने के लिए जिला प्रशासन ने महत्वपूर्ण निर्णय लिया है। कलेक्टर शिवम वर्मा के सख्त निर्देशों के तहत रविवार को भी सभी गैस एजेंसियों के कार्यालय खुले रहेंगे तथा गैस बुकिंग और रिफिल का कार्य सामान्य दिनों की तरह किया जाएगा। जिला आपूर्ति नियंत्रक एम.एल. मारू ने बताया कि जिला प्रशासन द्वारा सभी सेल्स ऑफिसरों को निर्देशित किया गया है कि वे सुनिश्चित करें कि रविवार को कोई भी गैस एजेंसी बंद न रहे। एजेंसी संचालकों और उनकी टीमों को पूर्ण क्षमता के साथ कार्य करने के निर्देश दिए गए हैं। इसके लिए आवश्यक मानव संसाधन, वाहनों और अन्य व्यवस्थाओं की योजना आज ही तैयार करने को कहा गया है। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि रविवार को भी गैस सिलेंडरों की होम डिलीवरी आपात स्थिति में सामान्य दिनों की तरह जारी रहेगी, ताकि सोमवार को अत्यधिक बैकलॉग की स्थिति न बने और उपभोक्ताओं को किसी प्रकार की परेशानी का सामना न करना पड़े।

अग्निवीर सेना भर्ती के लिए आवेदन प्रक्रिया प्रारंभ

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● भारतीय सेना में अग्निवीर भर्ती के लिए आवेदन प्रक्रिया प्रारंभ हो गई है। इच्छुक अभ्यर्थी एक अप्रैल 2026 तक ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। भर्ती संबंधी विस्तृत जानकारी एवं अधिसूचना भारतीय सेना की आधिकारिक वेबसाइट www.joinindianarmy.nic.in पर उपलब्ध है। इस भर्ती के अंतर्गत अग्निवीर (पुरुष) जनरल ड्यूटी (GD), एसकेटी (SKT), टेक्निकल, ट्रेड्समैन (8वीं एवं 10वीं), महिला सेना पुलिस तथा स्थाई पदों के लिए नर्सिंग असिस्टेंट, नर्सिंग असिस्टेंट वेट एवं सिपाही फार्मा के पदों पर आवेदन आमंत्रित किए गए हैं।

सीएम राइस से सांदीपनी तक! मंत्री के जिले में बना स्कूल, बाकी प्रदेश इंतजार में

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

भोपाल ● मध्यप्रदेश में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के बड़े दावे करने वाला सीएम राइस स्कूल प्रोजेक्ट छह साल बाद भी अधूरा है। 2021 में शुरू हुई योजना के तहत पहले चरण में 275 स्कूल दो साल में बनने थे। लेकिन अब तक 60-70 स्कूल ही पूरे हो सके हैं। दिलचस्प यह है कि सबसे पहले स्कूल तत्कालीन स्कूली शिक्षा मंत्री इंदर सिंह परमार के के विधानसभा क्षेत्र गुलाना (शाजापुर) में बनकर तैयार हुआ। बाकी जिलों में आज भी जमीन, टेंडर और निर्माण की उलझनों में परियोजना फंसी है।

देरी के कारण सरकार को करोड़ों रुपए का अतिरिक्त खर्च उठाना पड़ेगा, जबकि शिवराज सिंह चौहान का ड्रीम प्रोजेक्ट अब मोहन सरकार के दौर में भी अफसरशाही की सुस्ती का शिकार बनता दिख रहा है।

यहां पहले बना सीएम राइस स्कूल-सीएम राइस स्कूलों का उद्देश्य प्रदेश के सरकारी स्कूलों को आधुनिक सुविधाओं से लैस करना था। लेकिन जमीनी हकीकत यह है कि प्रदेश में पहला पूरा हुआ स्कूल 2024 में मंत्री इंदर सिंह परमार के क्षेत्र गुलाना (शाजापुर) में तैयार हुआ। जबकि बाकी जिलों में उस समय तक जमीन तलाशने और टेंडर की प्रक्रिया ही पूरी नहीं हो पाई थी। इससे परियोजना की प्राथमिकताओं और मॉनिटरिंग पर सवाल उठने लगे हैं।

मोहन सरकार में भी सुस्ती-सीएम राइस स्कूल योजना पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान का ड्रीम प्रोजेक्ट मानी जाती थी। बाद में मोहन यादव सरकार ने इसका नाम बदलकर सांदीपनी स्कूल कर दिया। लेकिन नाम बदलने के बाद भी प्रोजेक्ट की रफ्तार नहीं बदली। कई जगह निर्माण अटका है और कई जिलों में अब तक जमीन ही तय नहीं हो सकी। लेकिन 2026 तक भी परियोजना अधूरी है। विभागीय सूत्रों के मुताबिक अभी तक 60 से 70 स्कूल ही पूरे हो पाए हैं, जबकि कई स्कूलों का निर्माण अभी शुरू भी नहीं हुआ।

इलाके में भी 4 साल तक जमीन नहीं-परियोजना की सुस्ती का एक उदाहरण मुरैना जिले के सुरजनपुर में भी देखने को मिला। यह भाजपा के तत्कालीन प्रदेश अध्यक्ष वीडी शर्मा का गृह क्षेत्र है। यहां सीएम राइस स्कूल के लिए जमीन तय करने में ही करीब चार साल लग गए। पहले जिस जमीन को चुना गया वह अस्पताल के लिए आरक्षित थी, मामला कोर्ट पहुंच गया। बाद में प्रशासन ने दूसरी जमीन लेकर नई प्रशासकीय स्वीकृति दी। इसके बाद ही निर्माण की प्रक्रिया आगे बढ़ पाई।

स्कूल शिक्षा विभाग अब 7 से 8 स्कूलों की तकनीकी स्वीकृति निरस्त करने की तैयारी में है, जहां जमीन तय नहीं हो सकी। इस फैसले से सरकार को करोड़ों रुपए का नुकसान हो सकता है। पहले जिन ठेकेदारों ने कम दरों पर टेंडर लिए थे, अब उन्हें नई दरों पर काम करना पड़ेगा।

पुराने टेंडर, नई दरें... सरकार पर बढ़ेगा खर्च-ष्टरू ऋद्धह्यद्द स्कूलों के कई टेंडर 2020-21 की SOR दरों पर जारी किए गए थे। छह साल बीतने के बाद अब मटेरियल और निर्माण लागत बढ़ चुकी है। कई ठेकेदार विभाग को लिखकर दे चुके हैं कि नई प्रशासकीय स्वीकृति और संशोधित दरों के बिना काम संभव नहीं है। इससे सरकार को अतिरिक्त वित्तीय बोझ उठाना पड़ेगा।

निर्माण गुणवत्ता पर भी उठ चुके हैं सवाल-जिन स्कूलों का निर्माण पूरा हुआ है, वहां भी कई बार निर्माण गुणवत्ता को लेकर सवाल उठ चुके हैं। जबलपुर, ग्वालियर-चंबल और अन्य संभागों में बने कुछ स्कूलों की गुणवत्ता सोशल मीडिया और स्थानीय स्तर पर चर्चा में रही है।

कहीं फसल खड़ी, कहीं रोड नहीं

दतिया और डबरा : जमीन पर अभी किसानों की फसल खड़ी है
इंदरगढ़ : पुरानी बिल्डिंग नहीं टूट पाई, ठेकेदार काम छोड़कर चला गया
कैलारस (मुरैना) : दी गई जमीन दो हिस्सों में, एप्रोच रोड भी नहीं
सिरोंज और बरईपुरा (विदिशा) : जमीन को लेकर विवाद
देवास और इंदौर क्षेत्र : गांव वालों ने निर्माण पर स्टे ले लिया
कसरावद (खरगोन) : आर्किटेक्ट ने पथरीली जमीन को रिजेक्ट कर दिया
इन कारणों से कई स्कूलों का निर्माण अब तक शुरू ही नहीं हो पाया।

जिम्मेदार कौन?

अब बड़ा सवाल है कि जब कई जगह जमीन तय नहीं थी, तो टेंडर क्यों जारी किए गए? निर्माण एजेंसियों ने जगह स्पष्ट किए बिना काम की प्रक्रिया क्यों शुरू की? छह साल की देरी से करोड़ों रुपए के नुकसान का जिम्मेदार कौन है? सरकार की योजना का उद्देश्य ग्रामीण और शहरी बच्चों को बेहतर शिक्षा देना था। लेकिन स्कूल निर्माण में देरी के कारण कई क्षेत्रों के बच्चे अभी भी इस सुविधा से वंचित हैं।

अब अंडरग्राउंड मेट्रो विवादों में, बिना मुआवजा इसे बताया अवैध, हाईकोर्ट में याचिका

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● इंदौर में प्रस्तावित मेट्रो स्टेशन के निर्माण को लेकर मध्यप्रदेश हाईकोर्ट की इंदौर खंडपीठ में एक अहम याचिका दायर की गई है। याचिका में आरोप लगाया गया है कि छोटे गणपति क्षेत्र में प्रस्तावित मेट्रो स्टेशन के लिए लगभग 125 से 140 फीट गहराई तक खुदाई की योजना बनाई जा रही है। यह खुदाई निजी जमीन और एक पब्लिक पार्क के नीचे की जाएगी। याचिकाकर्ता का कहना है कि ये काम बिना जरूरी कागजी कार्यवाही और पर्यावरणीय मंजूरी के किया जा रहा है।

याचिका में इन्हें बनाया गया पक्षकार-यह याचिका इंदौर के महेश राठी द्वारा दायर की गई है। याचिकाकर्ता की ओर से अधिवक्ता अभिनव धनोतकर हैं। याचिका में राज्य सरकार, मध्य प्रदेश मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन लिमिटेड, इंदौर नगर निगम, जिला कलेक्टर इंदौर, मध्य प्रदेश प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड तथा भारत संघ को पक्षकार बनाया गया है।

निजी संपत्ति के अधिकारों का उल्लंघन -याचिका में बताया गया है

कि प्रस्तावित मेट्रो स्टेशन निजी जमीन के नीचे बनेगा। साल 2013 के भूमि अधिग्रहण कानून के मुताबिक जमीन के साथ उसकी मिट्टी पर भी मालिक का हक होता है। इसलिए जमीन के नीचे खुदाई करने से पहले मालिकों से कानूनी मंजूरी लेना और मुआवजा देना जरूरी है।

याचिकाकर्ता का आरोप है कि बिना अधिग्रहण और पैसा दिए निर्माण करना संपत्ति के अधिकार का उल्लंघन है। यह कदम भारतीय संविधान के अनुच्छेद 300 में दिए गए नियमों के बिल्कुल खिलाफ माना जा रहा है।

पर्यावरण पर भी पड़ सकता है असर-याचिका में यह भी कहा गया है कि प्रस्तावित निर्माण स्थल के ऊपर एक सार्वजनिक पार्क स्थित है, जहां लगभग 100 से 200 बड़े पेड़ मौजूद हैं। इतनी गहराई तक खुदाई करने से इन पेड़ों की जड़ों पर असर पड़ सकता है। इससे पर्यावरण संतुलन बिगड़ने की आशंका है।

आरोप लगाया गया है कि परियोजना के लिए अब तक कोई स्पष्ट पर्यावरण प्रभाव आकलन सार्वजनिक नहीं किया गया है। साथ ही पेड़ों की कटाई, भूजल स्तर पर प्रभाव और पर्यावरणीय अनुमति से संबंधित कोई पारदर्शी प्रक्रिया सामने नहीं आई है।

भूजल और इमारतों की सुरक्षा पर चिंता-याचिका में कहा गया है कि इतनी गहराई तक खुदाई से क्षेत्र की मिट्टी की स्थिरता, भूजल स्तर तथा आसपास की इमारतों की नींव पर भी असर पड़ सकता है। इससे आसपास के मकानों और व्यावसायिक इमारतों की संरचनात्मक सुरक्षा खतरे में पड़ने की संभावना जताई गई है।

रोक लगाने की मांग-याचिकाकर्ता ने हाईकोर्ट (इंदौर खंडपीठ) से कहा है कि बिना सही तरीके से जमीन का अधिग्रहण, पर्यावरणीय मंजूरी और प्रभावित लोगों को सही मुआवजा दिए बिना इस प्रोजेक्ट के तहत खुदाई और निर्माण काम पर रोक लगाई जाए।

बढ़ेगी प्रॉपर्टी गाइडलाइन, 1593 लोकेशन पर 21 से 50 फीसदी बढ़ाने की मंजूरी

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● इंदौर जिले में प्रॉपर्टी की गाइडलाइन बढ़ाने की मंजूरी हो गई है। शनिवार को कलेक्टर की अध्यक्षता वाली जिला मूल्यांकन कमेटी ने मंजूरी दी है। जिले की 57 फीसदी लोकेशन पर यह बढ़ेगी। वित्तीय साल 2026-27 के लिए प्रॉपर्टी की गाइडलाइन दर बढ़ाने पर सहमति हो गई है। अब इसका पब्लिकेशन होगा और आमजन से सुझाव, आपत्ति ली जाएगी। इसके निराकरण के बाद इसे केंद्रीय मूल्यांकन कमेटी भोपाल भेजा जाएगा। जिले की कुल 4 हजार 579 लोकेशन में से 2 हजार 606 लोकेशन (57 फीसदी) पर यह गाइडलाइन बढ़ेगी। सबसे ज्यादा बढ़ोतरी 1593 लोकेशन पर 21 से 50 फीसदी के बीच होगी। बता दें कि यह फैसला शनिवार, 14 मार्च को इंदौर जिला मूल्यांकन कमेटी की बैठक में लिया गया है। इंदौर कलेक्टर शिवम वर्मा ने बैठक की अध्यक्षता की।

शहर की जगह गांव की 79 फीसदी जगह बढ़ेगी-शहर में ई-सम्पदा सॉफ्टवेयर में पुरानी 597 लोकेशन को मर्ज कर इसे अब कुल 4 हजार 579 लोकेशन किया जा रहा है। इसमें शहर की करीब तीन हजार लोकेशन हैं, जिनमें से 1351 पर बढ़ोतरी की जा रही है। वहीं, गांव की 1600 लोकेशन हैं, जिनमें 1255 लोकेशन पर बढ़ोतरी हो रही है। यानी शहर की जगह गांव में अधिक बढ़ोतरी हो रही है। गांव की कुल 79 फीसदी लोकेशन पर प्रॉपर्टी के रेट बढ़ाए जा रहे हैं। वहीं, शहर में केवल 45 फीसदी लोकेशन पर दाम बढ़ाए जा रहे हैं। शहर की जगह इस बार पूरा फोकस ग्रामीण एरिया पर है।

इस तरह से बढ़ेगी गाइडलाइन

- 0 से 10 फीसदी बढ़ोतरी : शहर की 27 और गांव की 58 लोकेशन (कुल 85)
- 11 से 20 फीसदी बढ़ोतरी : शहर की 190 और गांव की 279, कुल 469 लोकेशन
- 21 से 50 फीसदी बढ़ोतरी : शहर की 922 और गांव की 671, कुल 1593 लोकेशन
- 51 से 100 फीसदी बढ़ोतरी : शहर की 180 और गांव की 239, कुल 419 लोकेशन
- 100 फीसदी से अधिक : शहर की 32 और गांव की 8, कुल 40 लोकेशन पर

भागीरथपुरा कांड में मृतकों की अस्थियां विसर्जन कराने ले जा रही कांग्रेस, परिजन बोले- विसर्जन पहले हो चुका

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● इंदौर के भागीरथपुरा में हुए दूषित पानी कांड को लेकर कांग्रेस का आयोजन कठघरे में आ गया है। पीड़ितों को कांग्रेस प्रयागराज भेज रही है। इंदौर के वार्ड 11 में भागीरथपुरा में दूषित पानी के कांड के कारण अब तक 36 लोगों की मौत हो चुकी है। साथ ही 459 पीड़ितों का अस्पताल में उपचार हुआ है। दिसंबर के अंत में सामने आए इस कांड को लेकर कांग्रेस लगातार हमला बोल रही है।

कांग्रेस नेता राहुल गांधी भी 17 जनवरी को इंदौर दौरा कर चुके हैं। अब कांग्रेस का एक आयोजन विवादों में आ गया है। कांग्रेस सेवादल के मुकेश यादव ने शुक्रवार को करीब 25 पीड़ित परिवारों के लिए हरिद्वार यात्रा का

इंतजाम किया था। इसमें सभी को कलश दिया गया।

साथ ही बताया गया कि इसमें मृतकों की अस्थियां हैं और इन्हें विसर्जित करने के लिए प्रयागराज ले जा रहे हैं। यात्रा शुरू करने के लिए प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी, शहर अध्यक्ष चिंटू चौकसे, जिलाध्यक्ष ग्रामीण विपिन वानखेड़े सहित कांग्रेस के कई नेता जमा हुए थे।

पीड़ित बोले इसमें अस्थियां नहीं हैं -यात्रा के पूर्व भागीरथपुरा चौकी के पास एक पूजा पाठ का आयोजन हुआ। पंडितों ने मंत्रोच्चार पढ़े। वहीं प्रदेशाध्यक्ष पटवारी व अन्य नेताओं ने मृतकों को श्रद्धांजलि दी और कलश पर फूल चढ़ाए। जब मृतकों के परिजनों से पूछा गया कि इस कलश में क्या है तो उन्होंने साफ कहा कि इसमें अस्थियां नहीं है। इसमें चांदी के फूल व पूजन समग्री है। अस्थियां तो हम पहले ही विसर्जित कर चुके हैं।

क्या बोले मृतकों के परिजन-एक मृतक की परिजन सोनाली कदम ने कहा कि कलश में अस्थियां नहीं हैं। इतने दिन कोई अस्थियां घर में नहीं रखता है। इसमें पूजन सामग्री है। पंडित ने पूजा की थी तो हम लोग जा रहे हैं। सतीश परमार (इनकी पत्नी सुनीता की मौत हुई थी) बोले कि अस्थियां तो उज्जैन में विसर्जित कर चुके हैं। कांग्रेस ने हमें एक-एक लाख रुपए की मदद की थी, बीजेपी ने कुछ भी नहीं दिया। अब उन्होंने हमारी मदद की तो हम पूजन के लिए उनके साथ जा रहे हैं।

प्रदेश में टोल बंद, लेकिन चेक प्वाइंट पर खुली वसूली, आरटीओ कर्मी बोले- 700 से कम नहीं लेंगे

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● मध्यप्रदेश में भले ही जुलाई 2024 से बदनाम परिवहन चौकियां/टोल बंद कर दिए गए हों, लेकिन वसूली जारी है। एक ट्रक ड्राइवर ने खिलचीपुर (राजगढ़) में आरटीओ कर्मियों का वीडियो बनाया है। सीएम मोहन यादव ने मध्यप्रदेश की कमान संभालने के बाद बदनाम परिवहन चौकियों को बंद करने का ऐतिहासिक फैसला लिया था। जुलाई 2024 में ये बंद हो गई थीं। इसके साथ ही चौकियों को 45 चेक प्वाइंट में तब्दील कर दिया गया था। वहीं, अब यह चेक प्वाइंट फिर से वसूली की दुकानें बन रही हैं। इसके लगातार वीडियो सामने आते रहे हैं। ऐसा ही अब नया वीडियो एक ट्रक ड्राइवर ने खिलचीपुर बॉर्डर का बनाकर भेजा है।

ड्राइवर : बार्डर भी बंद है साहब-कमी : बार्डर बंद है लेकिन आरटीओ कभी बंद नहीं होगा जीवन में, पहले फोन पर बात कर लो आराम से पूछ लो जो आते हो आपके साथ के।
ड्राइवर : ये लो साहब 600 है, मेरी रिक्वेस्ट है,
कर्मी : हमारी भी रिक्वेस्ट है 700 ही लेंगे
ड्राइवर : साहब मान जाओ, किसी ड्राइवर की मजबूरी समझा करो आप
कर्मी : आप हमारी भी मजबूरी समझा करो, 700 ही लेते हैं, हमने 800 तो मांगे नहीं।
ड्राइवर : साहब इतने ही बचे हैं,
कर्मी : भले ही 10 हजार बचे हो आपके पास हम तो 700 ही लेते हैं।

इन्होंने भेजा वीडियो-यह वीडियो इंदौर ट्रक ऑपरेटर्स एसोसिएशन के पूर्व अध्यक्ष सी.एल. मुकाती ने द सूत्र को भेजा है। बता दें कि वे वर्तमान में ऑल इंडिया मोटर ट्रांसपोर्ट कांग्रेस नई दिल्ली में आरटीओ और ट्रैफिक कमेटी के चेयरमैन है। मुकाती ने बताया कि चेक प्वाइंट पर फिर भ्रष्टाचार हो रहा है। प्रदेश के बाहर के ट्रकों से यह वसूली हो रही है। ड्राइवर ने यह वीडियो बनाकर उन्हें भेजा है। इस संबंध में सीएम को हम पत्र लिखकर इसे रोकने की मांग कर रहे हैं।

वीडियो में इस तरह डील, बोले- 700 से 1 रुपए कम नहीं लेंगे-वीडियो में दिख रहा है कि ट्रक ड्राइवर मोबाइल जेब में रखकर कैमरा ऑन करता है। इसके बाद वो एक शेड के नीचे खड़ी कार के पास जाता है। इस कार पर आरटीओ लिखा हुआ है।

यशवंत क्लब के बाहर नगर निगम ने ढोल बजवा करवा दी मुनादी, 2.64 करोड़ संपत्ति कर बकाया

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● प्रदेश के सबसे बड़े क्लब में पहचान रखने वाले यशवंत क्लब की बुरी तरह भद पिट गई है। इंदौर नगर निगम ने क्लब के बाहर वसूली अधिकारियों को भेजा और बाहर जमकर ढोल बजवाकर मुनादी करा दी। साथ ही क्लब की दीवार पर संपत्तिकर को लेकर नोटिस भी चस्पा करा दिया।

निगम की टीम के साथ ढोल लेकर मुनादी वाला आया और वहां एक मिनट तक ढोल बजाया गया। साथ ही वसूली अधिकारियों ने घोषणा करते हुए कहा कि क्लब पर संपत्ति कर बकाया है। वह जल्द भर दें नहीं तो कानूनी कार्रवाई की जाएगी। उधर क्लब के जून 2026 में चुनाव होना है, इसके पहले इसे बड़ा झटका माना जा रहा है। क्लब पर 2 करोड़ 64 लाख संपत्ति कर बकाया है। वहीं इस कदम से वर्तमान मैनेजिंग कमेटी की कार्यशैली पर सवाल खड़े हो गए हैं। नगर निगम और क्लब के बीच में संपत्तिकर को लेकर लंबे समय से विवाद चल रहा है। बीच में क्लब की नपती भी हुई थी। मामला कोर्ट में भी गया। लेकिन इसके बाद भी मामला नहीं सुलझा। उधर वित्तीय साल 2025-26 के खत्म होने से पहले 31 मार्च के पूर्व वसूली को लेकर निगम ने सख्ती शुरू कर दी है। इसी के तहत बड़े बकायादारों के यहां तकाजा किया जा रहा है। इसके बाद भी नहीं जमा करने पर कुर्की की जाएगी।

क्या है क्लब और निगम का संपत्तिकर विवाद-यशवंत क्लब की साल 2020 में नपती हो गई थी, जिसके बाद इंदौर नगर निगम ने नए सिरे से टैक्स की गणना की और नई डिमांड जारी की। इस डिमांड के खिलाफ क्लब ने याचिका (19108/2020) दायर की। इसमें 2022 में अंतरिम आदेश हुआ कि 30 फीसदी टैक्स क्लब द्वारा भर दिया जाए और बाकी याचिका चलती रहेगी। तब क्लब पर करीब 68 लाख रुपए का टैक्स था। इसके बाद क्लब ने संपत्ति कर भरना बंद कर दिया।

इसके बाद एक के बाद एक याचिकाएं-इसके बाद क्लब ने भवन मंजूरी के लिए साल 2025 में रिट पिटीशन (32538/25) दाखिल की। हाईकोर्ट ने दिसंबर 2025 में इसमें निगम को भवन नक्शा पास करने के आदेश दिए। लेकिन प्रापर्टी टैक्स बकाया होने की बात कहते हुए निगम ने इसमें रिट अपील (86/2026) दाखिल की, लेकिन 7 जनवरी को यह याचिका खारिज हो गई। इसमें निगम ने कहा कि क्लब स्टे के बाद से ही टैक्स नहीं भर रहा है। लेकिन याचिका खारिज हो गई। वहीं क्लब ने हाईकोर्ट सिंगल बेंच के आदेश के बाद भी नक्शा पास नहीं होने पर अवमानना याचिका (735/26) दायर कर दी। इसमें 3 फरवरी को आदेश हुआ कि 30 दिन में सिंगल बेंच के आदेश का पालन किया जाए।

अब निगम ने जल्द सुनवाई के लिए लगाया आवेदन-वहीं अब इस आदेश के बाद नगर निगम ने भी क्लब से अपने बकाया प्रापर्टी टैक्स वसूली के लिए साल 2020 से चल रही याचिका में आवेदन लगाया है। नगर निगम ने मांग की है कि स्टे के बाद से ही क्लब ने प्रापर्टी टैक्स बकाया नहीं दिया है जो अब बढ़कर 2 करोड़ 64 लाख रुपए हो चुका है।

फिर नए भवन में आई अड़चन तो नया विवाद

इसके बाद क्लब ने शांति पकड़ ली। हाल ही में क्लब ने 100 नए सदस्य बनाकर उनसे 25 करोड़ की राशि जमा कर क्लब में नए विकास, भवन की योजना बनाई। इसमें नक्शा मंजूरी के लिए आवेदन किया तो निगम के पोर्टल ने टैक्स बकाया होने पर यह आवेदन लिया ही नहीं। पोर्टल में नियम है कि जब तक निगम के पूरे टैक्स जमा नहीं होंगे पोर्टल एक्सेस ही नहीं देगा।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, संपादक : **अक्षय तिवारी** द्वारा मेसर्स डी.बी. कार्प लिमि. 44-45/ए, 50-51/ए, सेक्टर एफ इंडस्ट्रीयल एरिया, सांवेर रोड़, इंदौर (मप्र)- 452008 से मुद्रित एवं 5/6, नार्थ राजमोहल्ला (गुरुद्वारे के सामने), इंदौर (म.प्र.) से प्रकाशित। **आरएनआई - एमपीएचआईएन/2021/81650**
सभी विवादों के लिए न्याय क्षेत्र केवल इंदौर रहेगा। समाचार पत्र में व्यक्तिगत नाम से प्रकाशित खबर एवं आलेख के लिए वे स्वयं जिम्मेदार होंगे।